WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

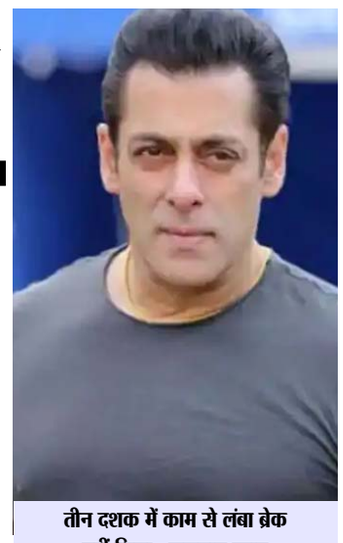

तीन दशक में काम से लंबा ब्रेक नहीं लिया : सलमान खान

वर्षः 01 अंक : 280 | लखनऊ, मंगलवार, 29 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

वैश्विक चुनौतियों के प्रति साझा दृष्टिकोण अपनाएं भारत और डेनमार्कः मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत, डेनमार्क और समान विचार वाले अन्य देशों को विभिन्न वैश्विक चुनौतियों के प्रति साझा दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। श्री मोदी ने डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेडे फेडरिक्सेन के साथ द्विपक्षीय वचुर्अल शिखर सम्मेलन में कहा , पिछले कई महीनो की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारे जैसे समान विचारों वाले देशों का, जो एक नियम आधारित, पारदर्शी, मानवीय और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास करते है उनका साथ मिल कर काम करना कितना आवश्यक है । कोरोना महामारी

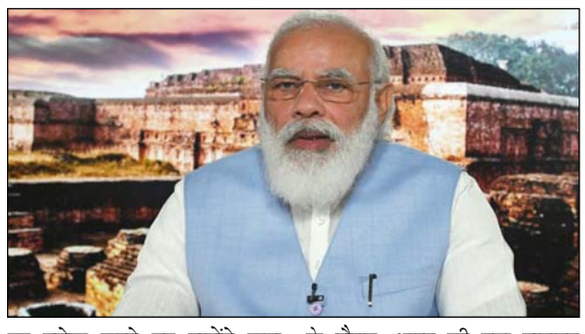

का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा वैक्सीन के विकास में भी इन देशों के बीच सहयोग से इस चुनौती से निपटने में मदद मिलेगी। इस महामारी के दौरान, भारत की दवा उत्पादन क्षमताएं पूरे विश्व के लिए उपयोगी रहीं हैं और वैक्सीन के क्षेत्र में भी हम यही प्रयास कर रहें हैं। हमारे 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का भी यही प्रयास है कि प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में भारत की क्षमताएं बढ़ें, और वे विश्व के भी काम आयें। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत हम हर क्षेत्र में सुधारों पर जोर दे रहें हैं। नियमन और कर सुधारों से से भारत में काम करने वाली कंपनियों को लाभ मिलेगा। अन्य क्षेत्रों में भी सुधार की प्रक्रिया निरंतर चालू है। हाल ही में सरकार ने कृषि और श्रम क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी ने दिखाया है कि वैश्विक आपूर्ति श्रंखला का किसी भी एक स्रोत पर अत्यधिक निर्भर होना खतरनाक है। उन्होंने कहा कि भारत जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिल कर इस बारे में काम कर रहा है और समान विचारधारा वाले अन्य देश भी इस प्रयत्न में जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन न सिर्फ़ भारत-डेनमार्क संबंधों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी, बल्कि वैश्विक चुनौतियों के प्रति भी एक साझा रूख बनाने में मदद करेगी। श्री मोदी ने डेनमार्क की प्रधानमंत्री को भारत आने का निमंत्रण दिया और उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने कोरोना महामारी के कारण डेनमार्क में हुई क्षति के लिए संवेदना भी व्यक्त की।

दो हजार करोड़ रूपये से अधिक के रक्षा खरीद सौदों को मंजूरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने अग्रिम मोर्चों पर तैनात सेना के जवानों के लिए अत्याधुनिक राइफल और सेना तथा वायु सेना के लिए संचार उपकरणों सहित अन्य हथियारों की खरीद से संबंधित 2290 करोड़ रूपये के रक्षा सौदों को आज मंजूरी दी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में यहां हुई रक्षा खरीद परिषद की बैठक में इन सौदों से संबंधित प्रस्तावों को हरी झंडी दिखाई गयी। यह खरीद घरेलू रक्षा उद्योग और विदेशी विक्रेताओं दोनों से की जायेगी। परिषद ने 'बाय इंडियन' (आईडीडीएम) श्रेणी के लिए स्टेटिक एचएफ ट्रांस रिसिवर सेट और स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन की खरीद को

मंजूरी दी है। एचएफ रेडियो सेट सेना और वायु सेना की फील्ड यूनिटों के लिए निर्बाध संचार सुविधा उपलब्ध करायेगी और इन पर 540 करोड़ रूपये की लागत आने का अनुमान है। स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन की खरीद पर करीब 970 करोड़ रूपये की लागत आयेगी और इससे नौसेना तथा वायु सेना की मारक क्षमता अधिक मजबूत बनेगी। रक्षा खरीद परिषद ने सेना के अग्रिम मोर्चों पर तैनात जवानों के लिए 780 करोड़ रूपये की लागत से अत्याधुनिक असाल्ट राइफल की खरीद के सौदे को भी मंजूरी दी है।

कृषि कानूनों के खिलाफ पारित करें कानूनः कांग्रेस सरकारों से सोनिया

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पार्टी शासित प्रदेशों की सरकारों से सोमवार को कहा कि वे केंद्र सरकार के कृषि विरोधी कानूनों को निष्प्रभावी करने के लिए अपने यहां कानून पारित करने की संभावना पर विचार करें। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी बयान के मुताबिक, सोनिया ने कांग्रेस शासित प्रदेशों को सलाह दी है कि वे संविधान के अनुछेद 254 (ए) के तहत कानून पारित करने के संदर्भ में गौर करें। वेणुगोपाल ने कहा कि यह अनुछेद इन कृषि विरोधी एवं रायों के अधिकार क्षेत्र में दखल देने वाले केंद्रीय कानूनों को निष्प्रभावी करने के लिए राय विधानसभाओं को कानून पारित करने का अधिकार देता है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पुडुचेरी में कांग्रेस की सरकारें हैं। महाराष्ट्र और झारखंड में वह गठबंधन सरकार का हिस्सा है। वेणुगोपाल ने दावा किया, राय के इस कदम से कृषि संबंधी तीन कानूनों के अस्वीकार्य एवं किसान विरोधी प्रावधानों को दरकिनार किया जा सकेगा। इन प्रावधानों में न्यूनतम समर्थन मूल्य को खत्म करने और कृषि उपज विपणन समितियों (एपीएमसी) को बाधित करने का प्रावधान शामिल है। कांग्रेस महासचिव ने यह भी कहा, कांग्रेस शासित प्रदेशों की ओर से कानून पारित करने के बाद वहां किसानों को उस घोर अन्याय से मुक्ति मिलेगी जो मोदी सरकार और भाजपा ने उनके साथ किया है। गौरतलब है कि हाल ही में संपन्न मानसून सत्र में संसद ने कृषि उपज व्यापार और वाणिय (संवर्द्धन और सुविधा) विधेयक-2020 और कृषक (सशक्तीकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक-2020 को मंजूरी दी।

एनसीडीसी ने धान खरीद के लिए 19444 करोड़ रुपये की मंजूरी दी

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) ने छत्तीसगढ़,हरियाणा और तेलंगाना को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर इस वर्ष खरीफ सत्र में धान की खरीद के लिए 19444 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी करने को मंजूरी दी है। कृषि मंत्रालय के अनुसार यह राशि इसलिए मंजूर की गई है ताकि राज्यों के मार्केटिंग महासंघों (फेडरेशनों)को अपने सहकारी संगठनों के जरिए समयबद्ध ढंग से धान की खरीद करने की प्रक्रिया में सहायता मिले। छत्तीसगढ़ के लिए सबसे अधिक 9000 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। हरियाणा के लिए 5444 करोड़ रुपये और तेलंगाना के लिए 5500 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गयी हैं। कोविड महामारी के दौरान एनसीडीसी की ओर से उठाये गये इस कदम से इन तीनों राज्यों के किसानों को बेहद जरूरी वित्तीय सहायता प्राप्त होगी। उचित समय पर उठाए गए इस कदम से राज्यों की एजेंसियां तत्काल खरीद प्रक्रिया को शुरू कर सकेंगी।

कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 60.74 लाख,50 लाख से अधिक हुए स्वस्थ

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 82 हजार से अधिक नये मामले सामने आने से संक्रमितों का आंकड़ा 60.74 लाख से पार हो गया जबकि 74 हजार से ज्यादा लोग स्वस्थ हुए जिससे कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या 50.16 लाख हो गयी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 82,170 नये मामलों के साथ इसके संक्रमितों की संख्या 60,74,702 हो गयी। इसके साथ ही 74,892 मरीज ठीक हुए हैं जिसे मिलाकर अब तक 50,16,520 लोग कोरोना की महामारी से निजात पा चुके हैं। इसी अवधि में 1039 संक्रमित अपनी जान गंवा बैठे और इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 95,542 हो गयी है। कोरोना संक्रमण के नये मामलों

में बढ़ोतरी के कारण सक्रिय मामले 6238 बढ़कर 96,2640 हो गये। देश में अभी सक्रिय मामलों का प्रतिशत 15.85 और रोगमुक्त होने वालों की दर 82.58 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर 1.57 फीसदी रह गयी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 4111 बढ़कर 2,73,646 हो गये हैं जबकि 380 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 35,571 हो गयी है। इस दौरान 13,565 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 10,30,015 हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 2942 की वृद्धि हुई है और राज्य में अब 1,04,743 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 8582 पर पहुंच गया है तथा अब तक 4,62,241 लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 918 कम होने से सक्रिय मामले 64,876 रह गये। राज्य में अब तक 5708 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 6,05,090 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में इस दौरान 1483 मरीज कम हुए हैं जिससे सक्रिय मामले 55,603 हो गये हैं तथा इस महामारी से 5594 लोगों की मौत हुई है जबकि 3,25,888 मरीज ठीक हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 46,341 हो गयी है तथा 9313 लोगों की मौत हुई है।

जितेन्द्र सिंह ने मनोज सिन्हा से विभिन्न परियोजनाओं पर की चर्चा

जम्मू, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोमवार को जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात कर राज्य में केन्द्र सरकार की विभिन्न परियोजनाओं तथा अन्य संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री और उपराज्यपाल ने केन्द्र सरकार की परियोजनाओं और राज्य सरकार की नयी पहलों से एक दूसरे को अवगत कराया और तत्संबंध में विचारविमर्श किया। श्री सिन्हा ने राज्य से जुड़े प्रत्येक मुद्दों को लेकर श्री सिंह द्वारा व्यक्तिगत तौर किए जा रहे कार्यों को लेकर उनकी सराहना की। डॉ. सिंह ने केंद्रीय मंत्रियों द्वारा जम्मू कश्मीर की नियमित यात्रा की प्रक्रिया पुनः जारी करने किये जाने के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गत जनवरी में दो सप्ताह के भीतर प्रदेश की यात्रा करने वाले 36 केंद्रीय मंत्रियों के अनुभव अत्यंत संतोषजनक रहे और स्थानीय आबादी के बीच आशा की किरण उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत हस्तक्षेप और सलाह पर यह पहल की गई थी और जैसे ही कोविड महामारी दूर होगी , यह प्रक्रिया फिर से शुरू की जाएगी। डॉ सिंह ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय द्वारा एक मेगा पहल के बारे में भी बताया जिसके तहत जम्मू क्षेत्र में तीन बांस क्लस्टर स्थापित किए जाएंगे और इनका उपयोग अगरबत्ती, चारकोल और बास्केट के उत्पादन के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में एक बांस प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने की योजना है। यह केन्द्र बांस क्षेत्र में उद्यमिता के लिए युवाओं को कौशल और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा। उन्होंने दोहराया कि प्रधानमंत्री जम्मू कश्मीर और लद्दाख को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं तथा उनका(श्री मोदी) मानना है कि दोनों केंद्र शासित प्रदेशों पर पिछले पांच से छह वर्षों की तरह ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब जब केंद्र शासित प्रदेश के रूप में जम्मू और कश्मीर सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के दायरे में आता है और गृहमंत्री अमित शाह करीब से नजर रखते हैं। उन्होंने जम्मू कश्मीर के तीव्र विकास और शांति के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

अब राजद ने दी कांग्रेस को धमकी

बिना देर किए तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा मान ले

पटना, एजेंसी। बिहार में सियासत उबाल पर है। महागठबंधन में सीटों पर संग्राम जारी है। इस बीच राजद ने कांग्रेस से कहा है कि वह बिना देर किए बिहार विधानसभा चुनाव के लिए विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा मान ले। क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर हम सब राहुल गांधी के चेहरे पर लोकसभा का चुनाव लड़े थे। अगर अवसर मिलता तो राहुल गांधी की अगुआई में ही सरकार बनती। राजद प्रवक्ता ने कांग्रेस को दायरा दिखाते हुए कहा कि यदि आपके पास जिताऊ चेहरा नहीं हैं तो अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने का कोई मतलब नहीं है। राजद की ओर कांग्रेस को 58 सीटों के अलावा वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र का उप चुनाव लड़ने का ऑफर दिया गया है। पार्टी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने 28 सितंबर, सोमवार को कहा कि इससे पहले कांग्रेस झारखंड में हेमंत सोरेन के चेहरे पर चुनाव लड़ चुकी है। चुनाव पूर्व सीएम फेस की घोषणा होने के चलते झारखंड में सरकार बन गई। यह बिहार में भी होने जा रहा है। राजद प्रवक्ता ने कहा है कि लोग बदलाव का मन बना चुके हैं। तेजस्वी के चेहरे को स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि राजद, कांग्रेस और वामपंथी पार्टियां एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगी। सरकार भी बनेगी। हकीकत सबको पता है, किसके पास क्या वोट और जनता का समर्थन है।

विश्व में सवा तीन करोड़ से अधिक कोरोना संक्रमित करीब 10 लाख की मौत

वाशिंगटन/रियो डि जेनेरो/नयी दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से विश्वभर में संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या सवा तीन करोड़ से अधिक हो गई है जबकि इस बीमारी से करीब 10 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में अब तक 3,29,94,213 लोग प्रभावित है। वही 9,96,682 लोगों की इससे मौत हो चुकी है। वैश्विक महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 71.14 लाख से अधिक हो गयी है और अब तक 2.04 लाख से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। भारत में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान 82,170 नये मामले सामने आने से संक्रमितों का आंकड़ा 60,74,702 पर पहुंच गया।

राहुल ने कृषि संबंधी विधेयक को लेकर सरकार पर फिर साधा निशाना

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में संसद में पारित कृषि संबंधी विधेयक को लेकर मोदी सरकार पर फिर निशाना साधा और कहा कि उसने यह कानून लाकर किसानों के लिए मौत का फरमान जारी किया है। श्री गांधी ने सोमवार को ट्वीट किया, कृषि संबंधी कानून हमारे किसानों के लिए मौत का फरमान हैं। उनकी आवाज संसद और संसद के बाहर दोनों जगह दबाई गयी। यह प्रमाण है कि भारत में लोकतंत्र खत्म हो गया है। इसके साथ ही उन्होंने एक अखबार में छपी एक खबर भी पोस्ट की है जिसमें कहा गया है कि राज्यसभा के उपसभापति कहते हैं कि विधेयक को पारित करते समय जब मत विभाजन की मांग की गयी तो विपक्ष अपनी सीटों पर नहीं था लेकिन राज्यसभा टीवी की तस्वीरें कुछ और ही दिखा रही है।

दुर्गा पूजा पर इस बार नहीं सजेंगे पंडाल

योगी आदित्यनाथ की अपील, घर में स्थापित करें मां की मूर्ति

लखनऊ, एजेंसी। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते प्रसार ने त्यौहारों का रंग फीका कर दिया है। सरकार भी त्यौहारों पर उमडने वाली भीड़ को लेकर फूंक-फूंककर कदम रख रही है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने इस बार दुर्गा पूजा को लेकर बड़ा फैसला किया है। सरकार का निर्णय है कि इस बार न तो पूजा के पंडाल सजेंगे और न ही कहीं पर भी मेला लगेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना के खतरे को देखते हुए राज्य में दुर्गा पूजा के सार्वजनिक आयोजन पर रोक रहेगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दुर्गा पूजा का आयोजन भी सार्वजनिक नहीं होगा बल्कि लोग अपने घरों में दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित कर पूजन-अर्चन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी सार्वजनिक आयोजन सड़कों या पांडालों में नहीं होगा। इस अवसर पर लोग अपने घरों में दुर्गा प्रतिमा की स्थापना कर सकते हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सभी से अपील की है कि इस बार मां दुर्गा को अपने-अपने घर में स्थापित करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दशहरा पर रामलीलाओं के मंचन की पम्परा नहीं टूटेगी। उन्होंने कहा दुर्गा पूजा में होने वाले रामलीला का मंचन कुछ शर्तों और कोरोना गाइडलाइंस के अनुरूप होगा। इस दौरान रामलीला के मंचन के दौरान वहां पर सौ से अधिक दर्शक नहीं होंगे। इसके साथ ही कोविड-19 के संक्रमण के मद्देनजर रामलीला कमेटियों को फिजिकल डिस्टेसिंग का पालन सख्ती से करना होगा।

किसान बिलों का विरोध जारी

दिल्ली में ट्रैक्टर जलाने वाले 5 लोग हिरासत में

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली, हरियाणा और पंजाब समेत देश के कई राज्यों में विपक्षी दल और किसान संगठनों ने खेती से जुड़े बिलों का विरोध किया। दिल्ली में प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को इंडिया गेट के पास एक ट्रैक्टर जला दिया। पंजाब यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता एक ट्रक में रखकर ट्रैक्टर को लाए और फिर नीचे उतारकर उसमें आग लगा दी। इस मामले में पुलिस ने 5 लोगों को हिरासत में लिया है। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने प्रदर्शन तो कई देखे, लेकिन इंडिया गेट पर ट्रैक्टर लाकर उसे जलाने कांग्रेस का ड्रामा है। कांग्रेस बेनकाब हो गई है। किसानों को गुमराह कर वह अपने राजनीतिक एजेंडे को भुना रही है। उसने पूरे देश को शर्मिंदा शर्मसार किया है। दूसरी तरफ पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह नवांशहर जिले में स्थित शहीद भगत सिंह के गांव खटकड़ कलां में चल

रहे किसानों के धरने में शामिल होने पहुंच गए। उनका कहना था कि भाजपा पूंजीपतियों के हित देखती है। सारा खेल जरूरत का है। जब जरूरत होती है तो किसान याद आते हैं, नहीं तो अडाणी-अंबानी ही दिखाई देते हैं। किसानों के हितों को देखते हुए अपने राज्य के कानून में संशोधन समेत सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। लखनऊ में कांग्रेस और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) ने कार्यकर्ता विधानसभा का घेराव करने के लिए बढ़े। इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प भी हुई। पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। करीब 1 हजार कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए हैं। तमिलनाडु में भी प्रदर्शन हुए। कांचीपुरम के कीझांबी गांव में डीएमके के अध्यक्ष एम के स्टालिन प्रदर्शन में शामिल हुए। उधर, कर्नाटक में भी किसानों ने सोमवार को बंद रखा। बेंगलुरु और शिवमोगा समेत कई जगहों पर किसान संगठनों ने प्रदर्शन किया। संसद में पिछले हफ्ते किसानों से जुड़े 3 बिल पास हुए थे। इनके विरोध में राज्यसभा में हंगामा करने वाले 8 विपक्षी सांसदों को सभापति वेंकैया नायडू ने सस्पेंड भी कर दिया था। उसके बाद विपक्ष ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात कर बिलों को लौटाने की मांग की थी। लेकिन, राष्ट्रपति ने रविवार को बिलों को मंजूरी दे दी। विपक्ष को आशंका है नए बिलों से किसानों को नुकसान

होगा और सरकार आने वाले समय में समर्थन मूल्य की व्यवस्था को खत्म कर सकती है। लेकिन, सरकार कह चुकी है कि समर्थन मूल्य जारी रहेगा और नए बिल किसानों के फायदे के लिए लाए गए हैं। किसान बिलों के विरोध में शिरोमणि अकाली दल की नेता और मोदी कैबिनेट में फूड प्रोसेसिंग मिनिस्टर रहीं हरसिमरत कौर बादल ने इस्तीफा दे दिया था। शनिवार को अकाली दल ने एनडीए से अलग होने का ऐलान भी कर दिया।

बन्थरा में सेंध काट कर घर में घुसे चोरो ने महिला कर गला दबा कर की हत्या

एक महीने के अन्दर बन्थरा क्षेत्र मे हुई हत्या की दूसरी घटना

लखनऊ, संवाददाता। बन्थरा के गैतीपुर गॉव मे बीती रात एक पुरोहति के घर मे सेंध काट कर दाखिल हुए चोरो ने घर के अन्दर सो रही पुरोहित की 50 वर्षीय पत्नी की गला दबा कर हत्या कर दी और फ्रार हो गए महिला की हत्या की खबर परिजनो को सोमवार की सुबह पता चली तो पुलिस को सूचना दी गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है इन्स्पेक्टर बन्थरा का कहना है कि महिला के शरीर पर चोट के कोई निशान नजर नही आ रहे है पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इन्तिजार किया जा रहा है।जानकारी के अनुसार बन्थरा थानाक्षेत्र के गैतीपुर गॉव मे परिवार के साथ रहने वाले वीर चन्द्र पूजा पाठ करते है। रविवार की रात उनके परिवार के लोग घर के बाहर सोए थे वीर चन्द की 50 वर्षीय पत्नी दिपिका घर के अन्दर सो रही

थी रात मे किसी समय वीर चन्द के घर के अन्दर सेंध काट कर चोर दाखिल हुए और घर के अन्दर सो रही उनकी पत्नी दिपिका की गला दबा कर हत्या कर दी सुबह जब वीर चन्द का परिवार सो कर उठा तो घटना का पता चला । वीरचन्द ने बन्थरा पुलिस को सूचना दी तो पुलिस मौके पर पहुॅची। घर के अन्दर दिपिका का शव पड़ा था घर मे सामान बिखरा हुआ पड़ा था जिससे अन्दाजा लगाया जा रहा है कि वीरचन्द के घर के अन्दर दाखिल हुए चोरो को देख कर सम्भवता दिपिका की ऑख खुली होगी उन्होने चोरो का विरोध किया होगा और चोरो ने पकड़े जाने के डर से ही दिपिका की गला दबा कर हत्या कर दी होगी। सूचना पाकर पहुॅची बन्थरा पुलिस ने मौका-ए-वारदात पर मिले साक्ष्यो को अपने कब्जे मे लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इन्स्पेक्टर बन्थरा का कहना है कि मृतिका दिपिका के शरीर पर चोट के कोई जाहेरा निशान नही थे उन्होने बताया कि वीर चन्द के घर की दीवार मे सेंध कटी हुई थी अन्दर कुछ सामान भी बिखरा पड़ा था उन्होने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बन्थरा थाना क्षेत्र मे एक महिने मे हत्या की ये दूसरी घटना है इससे पहले इसी महीने की दो तारीख को रामदास पुर मे रहने वाले रेलवे के रिटायर कर्मचारी 65 वर्षीय लल्लू राम सरोज की हत्या कर दी गई थी हालाकि लल्लू राम सरोज की हत्या की घटना का बन्थरा पुलिस ने घटना के 23वे दिन खुलासा करते हुए उनकी हत्या के आरोप मे लल्लू राम सरोज के सगे भतीजे सुरेन्द्र को गिरफ्तार किया था लल्लू राम सरोज की हत्या उनके भतीजे ने शक के आधार पर की थी। एक महीने मे एक ही थाना क्षेत्र मे हत्या की दो घटनाओ के होने के बाद बन्थरा पुलिस को अपनी मस्तैदी की जॉच करने की जरूरत है क्यूकि लल्लू राम सरोज की हत्या भले ही पारिवारिक विवाद मे हुई घटना हो लेकिन दिपिका की हत्या जिस तरह से घर की दीवार मे सेंध काट कर घुसे चोरो द्वारा किए जाने की बात कही जा रही है वो अपने आप में पुलिस की मुस्तैदी पर सवालिया निशान लगाती है। हालाकि पुलिस ने दिपिका की हत्या की घटना के बाद अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर दिया है उम्मीद जताई जा रही है कि इस घटना का भी बन्थरा पुलिस जल्द ही खुलासा करेगी।

डीएम के बयान पर मौलाना कल्बे ने जताया कड़ा विरोध, दिया शाम तक वक्त

लखनऊ, संवाददाता। ऐतिहासिक बड़े इमामबाड़े में विरोध जताने के लिए मजलिस का आयोजन किया गया। आसिफी मस्जिद के इमाम मौलाना कल्बे जवाद नकवी ने डीएम अभिषेक प्रकाश के एक समाचार पत्र को दिए गए बयान 'इमामबाड़ा धार्मिक स्थल है या नहीं' पर कड़ा विरोध जताया है। एक दिन पूर्व डीएम को पत्र भेज कर लिखित स्पष्टीकरण देने की बात कही, वहीं इतवार को बड़े इमामबाड़े में सायं आठ बजे मजलिस का आयोजन किया गया। मौलाना कल्बे जावाद नकवी ने मजलिस को संबोधित करते हुए कहा कि हमें पर्यटकों के आने से कोई परेशानी नहीं है, परंतु इसका यह मतलब नहीं के इमामबाड़े को धार्मिक स्थल ही न माना जाये। डीएम का समाचार पत्र को दिया गया बयान अफ्सोसनाक है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सिटी मजिस्ट्रेट भी घर पर मिलने आए थे, उनसे भी हमने यही मांग की है कि डीएम लिखित स्पष्टीकरण दें अन्यथा हमारा विरोध जारी रहेगा। मौलाना ने कहा कि डीएम हुसैनाबाद ट्रस्ट के चेयरमैन हैं उन्हें मालूम है कि शिया समुदाय के लिए इमामबाड़े मुकद्दस स्थल हैं। यहां तरह तरह के धार्मिक प्रोग्राम होते रहते हैं। कहा, साल भर ताजिया व अन्य चीजें यहां सजी रहती हैं। प्रशासन की देखरेख में इमामबाड़े से शाही जरीह का जुलूस निकलता आया है। गेट पर भी लिखा है कि यह एक धार्मिक स्थल है। यह सब होते हुए भी डीएम का बयान अफ्सोसनाक है। उन्हें अपना बयान वापस लेते हुए लिखित स्पष्टीकरण देना चाहिए। इस अवसर पर सैकड़ों की तादाद में लोग मौजूद रहे, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं। सोमवार को बड़े इमामबाड़े में होने वाली मजलिस प्रशासन से बातचीत के बाद स्थगित कर दी गई है। शाम 7.30 बजे तक प्रशासन को वक्त दिया गया है। यदि डीएम की तरफ से लिखित स्पष्टीकरण आ जाता है कि इमामबाड़ा धार्मिक स्थल हैं तो विरोध के रूप में की जाने वाली मजलिस नहीं की जाएगी। अन्यथा विरोध के रूप में मजलिस का सिलसिला शुरू कर दिया जाएगा।

फेसबुक अकाउंट समाप्त करने के खिलाफ वाद

लखनऊ, संवाददाता। आईपीएस अफ्सर अमिताभ ठाकुर ने अपने फेसबुक अकाउंट को समाप्त किये जाने के खिलाफ वाद दायर किया है, सिविल जज जूनियर डिवीजन लखनऊ इला चौधरी ने वाद की पोषणीयता की सुनवाई के लिए 03 अक्टूबर 2020 नियत किया है। फेसबुक ने 24 सितम्बर 2020 को अमिताभ के फेसबुक अकाउंट को अस्थायी रूप से बाधित किया था, जिसके बाद अमिताभ ने फेसबुक के सामने अपना पक्ष रखा, लेकिन फेसबुक ने उनके पक्ष को अस्वीकार करते हुए 27 सितम्बर को उनका अकाउंट यह कहते हुए समाप्त कर दिया कि उनके द्वारा सामुदायिक मान्यताओं का पालन नहीं किया गया। अमिताभ ने फेसबुक के इस फैसले को गलत बताते हुए अपने वाद में कहा कि फेसबुक ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उन्होंने सामुदायिक मान्यताओं का किसी प्रकार उल्लंघन किया. उन्होंने हमेशा फेसबुक के सामुदायिक मान्यताओं का पूरा ध्यान रखा।

फीनिक्स लेकर आया लिवन्यू फैशन ट्रेंड्स

लखनऊ, संवाददाता। फीनिक्स यूनाइटेड मॉल, अपने ग्राहकों के लिए लिवन्यू फैशन ट्रेंड्स द्वारा रोमांचक ऑफर एवं उपहारों के साथ लौट आया है। फीनिक्स यूनाइटेड के सेंटर डायरेक्टर संजीव सरीन ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, फ्फीनिक्स यूनाइटेड में हमारा लक्ष्य अपने ग्राहकों के शॉपिंग अनुभव को सुखद बनाना है, इसी विचारधारा के अंतर्गत लिवन्यू फैशन ट्रेंड्स के माध्यम से हम लेकर आये है आपके लिए रोमांचक ऑफर और उपहार। इस फेस्टिवल के दौरान, फीनिक्स यूनाइटेड में किसी भी ब्रांड पर 3500 रुपये या उससे अधिक की खरीदारी करने वाले ग्राहक को सुनिश्चित वाउचर के अलावा शानदार ऑफर जीतने का मौका मिल सकता है।फ्श्री सरीन ने आगे बताया कि, फ्कोविड-19 के प्रसार से बचने के लिए हम मॉल में सभी एहतियाती कदम उठा रहे हैं। नो मास्क नो एंट्री रूल के साथ आपके फोन में आरोग्य सेतु ऐप भी मॉल में एंट्री से पहले होनी अनिवार्य है। हमने प्रवेश दवार पर सोशल डिस्टेंसिंग चिह्नों के साथ थू सैनिटाइजिंग मैट रखा है और थर्मल स्कैनर द्वारा आगंतुक के तापमान पर नजर रखी है। हर 2 घंटे में सभी स्पर्श बिंदुओं जैसे की एस्केलेटर बेल्ट, रेलिंग, लिफ्ट बटन आदि सभी को नियमित रूप से सैनिटाइज किया जाता है। हम सभी को सुरक्षित खरीदारी की शुभकामनाएं देते हैं और फीनिक्स परिवार पूरी सुरक्षा और जोश के साथ इस 16 दिवसीय शॉप एंड विन फेस्टिवल में आप सभी का स्वागत करता है।फ्फीनिक्स ग्रुप के बारे में पीएमएल भारत में एक प्रमुख रिटेल मॉल डेवलपर और ऑपरेटर है और भारत में रिटेल-लीड, मिक्स-यूज डेवलपमेंट में सबसे अग्रणी है। साथ ही रिटेल, हॉस्पिटैलिटी, कमर्शियल और रेजिडेंशियल सेक्टर में 17.5 मिलियन वर्ग फुट से अधिक के पूर्ण विकास के साथ फैला हुआ है। कंपनी का ऑपरेशनल रिटेल पोर्टफोलियो लगभग 7 मिलियन वर्ग फुट के रिटेल स्पेस के साथ भारत के 6 प्रमुख शहरों में 9 ऑपरेशनल माल्स मंत फैला है। कंपनी भारत के 4 गेटवे शहरों में 4 मिलियन वर्ग फुट से अधिक रिटेल स्पेस के साथ 4 और नए मॉल विकसित कर रही है।

शहीद भगत सिंह की स्मृति में वृक्षारोपण कर किया याद

लखनऊ, संवाददाता। शहीद भगत सिंह युवा एकता सेवा संस्थान ने आज क्रार्यक्रम मे उपस्थित संस्था के अध्यक्ष रामफेर, उपस्थित अतिथिगण एवं अन्य सम्मानित नगरवासियों द्वारा शहीद भगत सिंह के चित्र का माल्यार्पण किया गया और शहीदों की स्मृति में वृक्षारोपण करके उनको याद किया। कार्यक्रम में दि होप फाउण्डेशन ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष दिव्यांशु कुमार सिंह एवं समाधान फाउण्डेशन संस्थापक अरूणेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, अध्यक्ष यतेन्द्र कुमार गुप्ता, अपूर्वा मानव सेवा संस्थान के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह एवं अन्य सदस्यगण आदि उपस्थित रहे एवं सभी के सहयोग से आमजन को कोरोना जैसे महामारी से बचने एवं उत्तम स्वास्थ्य के लिए निःशुल्क मास्क उपलब्ध कराया गया। संस्था के संस्थापक रामफेर ने अपने भाषण में कहा है कि ''आज विश्व के ज्यादातर देश कोविड-19 महामारी से जूझ रहा है।

निजीकरण के खिलाफ सड़क पर उतरेंगे 15 लाख बिजली कर्मचारी

5 अक्टूर को करेंगे विरोध प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। देशभर के 15 लाख बिजली कर्मचारी पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रस्तावित निजीकरण के विरोध में पांच अक्टूबर को प्रदर्शन करेंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने सोमवार को यहां बताया कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के प्रस्ताव के विरोध में उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मचारियों को देश भर के बिजली कर्मचारियो का समर्थन मिला है।देश के 15 लाख बिजली कर्मचारी, जूनियर इंजीनियर और अभियंता उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मचारियों के निजीकरण के विरुद्ध संघर्ष में पांच अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि बिजली कर्मचारियों व अभियंताओं की राष्ट्रीय समन्वय

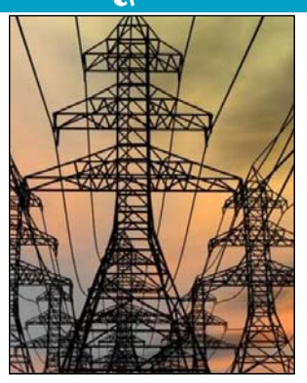

समिति नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लाइज एंड इंजिनियर्स (एनसीसीओईईई) की 27 सितंबर को हुई ऑनलाइन बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में चल रहे संघर्ष में उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मचारियों के साथ देश के सभी प्रांतों के 15 लाख बिजली कर्मी पूरी एकजुटता से उनके साथ हैं। एन सी सी ओ ई ई ई की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार पांच अक्टूबर को जब उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मियों का पूरे दिन का कार्य बहिष्कार प्रारंभ होगा तब उनके समर्थन में देश के सभी प्रांतों के 15 लाख बिजली कर्मी विरोध प्रदर्शन व विरोध सभायें करेंगे और उप्र के साथ एकजुटता का परिचय देंगे। दुबे ने बताया कि एनसीसीओईईई ने यह भी निर्णय लिया कि यदि उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मियों को गिरफ्तार किया गया और दमन किया गया तो देश के अन्य प्रांतों के बिजली कर्मी मूक दर्शक नहीं रहेंगे। उत्तर प्रदेश के समर्थन में राष्ट्रव्यापी आंदोलन प्रारंभ कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आवाहन पर आज उत्तर प्रदेश के सभी ऊर्जा निगम निगमों के तमाम बिजली कर्मचारियों, जूनियर इंजीनियरों व् अभियंताओं ने शहीद ए आजम भगत सिंह के जन्म दिन पर राजधानी लखनऊ सहित सभी 75 जिलों और परियोजनाओं पर मशाल जुलूस निकालकर सार्वजनिक क्षेत्र को बचाने का संकल्प लिया। दुबे ने बताया कि बिजली कर्मी 29 सितंबर से तीन घंटे का कार्य बहिष्कार करेंगे 7 संघर्ष समिति द्वारा सरकार और प्रबंधन को भेजी गई नोटिस में कहा गया है कि यदि निजीकरण का प्रस्ताव निरस्त न किया गया तो पांच अक्टूबर से बिजली कर्मी पूरे दिन का कार्य बहिष्कार करेंगे।

किसान आयोग के गठन, नारी सुरक्षा को मुद्दा बनायेगी हिन्दू महासभा

कार्यसमिति की बैठक में महिलाओं को चुनाव में पचास फीसदी टिकट देने का निर्णय

लखनऊ, संवाददाता। अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश कार्यसमिति की यहां हुयी बैठक में आगामी विधान सभा चुनाव में किसान आयोग के गठन, नारी सुरक्षा, जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने सहित कई मुद्दों के साथ आगामी विधानसभा चुनाव में उतरने का निर्णय लिया है। यहां कुर्सी रोड स्थित त्रिवेदी टॉवर में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी के सान्निध्य एवम् प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुयी बैठक में पृथक अवध राज्य निर्माण का भी संकल्प लिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रवीन्द्र द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दू महासभा सन 2012 से पूर्वी उत्तर प्रदेश को पृथक अवध राज्य बनाने का अभियान चला रही है । अभियान में अयोध्या को अवध प्रांत की राजधानी घोषित करने की मांग भी शामिल है। हिन्दू महासभा प्रदेश प्रभारी ऋषि त्रिवेदी ने अपने संबोधन में बैठक में संगठनात्मक विस्तार और विधानसभा चुनाव 2022 की तैयारियों से संबंधित चार प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया । ऋषि त्रिवेदी ने कहा कि हिन्दू महासभा किसान आयोग का गठन, जनसंख्या नियंत्रण कानून, रोजगार की गारंटी, नारी सुरक्षा जैसे मुद्दों को विधानसभा चुनाव 2022 को चुनावी मुद्दा बनाएगी। हिन्दू महिला सभा प्रदेश अध्यक्ष समाजसेवी अर्चना तिवारी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्दू महासभा नारी समाज को टिकट वितरण में पचास प्रतिशत हिस्सेदारी देगी। प्रदेश अध्यक्ष पियूष कांत वर्मा ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में संगठनात्मक दिशा निर्देश देते हुए कानपुर के राज कुमार सिंह को प्रदेश संगठन मंत्री, सीतापुर के महंत संतोष दास खाकी को प्रदेश धर्माचार्य प्रमुख और लखनऊ के संतोष चतुर्वेदी को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनोनीत किया । प्रदेश के सलाहकार एवम् अयोध्या जिला अध्यक्ष राकेश दत्त मिश्र ने सम्पूर्ण प्रदेश में जिला स्तर पर कार्यसमिति गठित करने का परामर्श दिया। बैठक में प्रदेश प्रवक्ता पंकज तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष शिव पूजन दीक्षित, राजन बाबा, राजेश मित्तल, मंत्री विक्रम गुप्ता , कार्यालय मंत्री राम नरेश श्रीवास्तव, गोंडा जिला अध्यक्ष लल्लू दुबे, अयोध्या जिला प्रवक्ता अंतरिक्ष महाराज सहित पचास से अधिक प्रतिनिधि उपस्थित थे। जारी बयान के अनुसार आमंत्रित प्रतिनिधियों को प्रदेश प्रभार ऋषि त्रिवेदी द्वारा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी को स्मति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

विकास दुबे कांड की तरह फिर पलटी मुंबई से आ रही यूपी पुलिस की गाड़ी, गैंगस्टर की मौत

लखनऊ, संवाददाता। मुंबई से एक गैंगस्टर को गिरफ्तार कर लखनऊ ले जा रही पुलिस की गाड़ी सोमवार सुबह सड़क हादसे का शिकार हो गई। दरअसल, यूपी पुलिस की निजी गाड़ी मध्यप्रदेश के गुना जिले में पाखरिया पुरा टोल के पास पलट गई। इस हादसे में फिरोज अली उर्फ शमी की मौत हो गई जबकि रिंगरोड चौकी प्रभारी जगदीश पांडेय, सिपाही समेत चार लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। इस पूरे घटनाक्रम ने विकास दुबे एनकाउंटर की याद दिला दी है। 10 पुलिसकर्मियों की हत्या का आरोपी विकास दुबे को उज्जैन से लाते समय कानपुर से पहले यूपी पुलिस की गाड़ी पलट गई थी। जिसके बाद विकास दुबे की एनकाउंटर में मौत हो गई थी। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, ड्राइवर ने हाइवे पर सामने से आ रही गाय को बचाने के लिए ब्रेक मारा, जिससे कि गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में गैंगस्टर फिरोज उर्फ शमी की मौके पर ही मौत हो गई और दो पुलिसकर्मी समेत चार लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, 58 वर्षीय फिरोज उर्फ शमी बहराइच जिले के थाना कोतवाली के दरगाह शरीफ घंटाघर का रहने वाला था। लखनऊ के ठाकुरगंज थाने में वर्ष 2014 में उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज था। तभी से वह फ्रार था। आरोपित सपी मुंबई के नालासोपाराइलाके की झुग्गी झोपड़ियों में रहता था।

फ्रंटलाइन कोरोना योद्धा लैब टेक्नीशियन उपेक्षा के शिकार

सैंपल कलेक्शन से लेकर परीक्षण तक करने वाले लैब टेक्नीशियन का कोई पुर्सा हाल नहीं

लखनऊ, संवाददाता। कोविड-19 के नियंत्रण में सबसे अहम भूमिका निभाने वाले कोरोना योद्धा, लैब टेक्नीशियन उपेक्षा के शिकार हैं। जहां एक तरफ डॉक्टर, फार्मेसिस्ट, नर्स एवं अन्य पैरामेडिकल कर्मी कोविड मरीजों को छूने से डरते हैं, वही लैब टेक्नीशियन मरीजों के नाक और मुंह के पास जाकर उनका स्वाब सैंपल कलेक्ट करते हैं ।सैंपल कलेक्ट करने में लैब टेक्नीशियनो को किसी भी समय कोविड-19 से संक्रमित हो जाने का खतरा बना रहता है ,लेकिन फिर भी लैब टेक्नीशियन अपनी जान पर खेलकर सैंपल कलेक्शन से लेकर परीक्षण तक का कार्य अंजाम दे रहे हैं। कोविड-19 की लड़ाई में सबसे अहम भूमिका निभाने वाले लैब टेक्नीशियनो को कोई पूछने वाला नहीं है ।जब कभी भी कोविड नियंत्रण में योगदान की बात आती है, प्रचार प्रसार किया जाता है तो बात डॉक्टर और नर्स तक ही आकर समाप्त हो जाती है। कोई भी सेलिब्रेट्री लैब टेक्नीशियन का नाम तक नहीं लेता है।

यहां तक की लैब टेक्नीशियन को अन्य पैरामेडिकल संवर्ग के कर्मचारियों के मुकाबले में वेतन भी कम दिया जाता है। जहां नर्स 4600 ग्रेड वेतन, फार्मेसिस्ट को 2 साल के बाद 4200, एक्स रे टेक्नीशियन, डेंटल हाइजीनिस्ट, फिजियोथैरेपिस्ट, 4200 का ग्रेड वेतन पा रहे हैं ,वहीं लैब टेक्नीशियन को 2800 ग्रेड वेतन मिल रहा है। यह सभी पैरामेडिकल कर्मचारी कोरोना मरीजों के आसपास भी नहीं फटकते हैं ,जबकि लैब टेक्नीशियन को सैंपल कलेक्शन से लेकर परीक्षण तक हाई रिस्क ग्रुप में रहना पड़ता है। लैब टेक्नीशियन की दुर्दशा पर लैब टेक्नीशियन संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के वर्तमान अध्यक्ष जे एन तिवारी ने चिंता व्यक्त किया है। उन्होंने अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य को पत्र लिखकर कोविड-19 के नियंत्रण में लैब टेक्नीशियन द्वारा किए जा रहे कार्यों को रिकॉग्नाइज करने का अनुरोध किया है। उन्होंने अवगत कराया है कि यदि लैब टेक्नीशियन सैंपल कलेक्शन एवं परीक्षण का कार्य नहीं करेंगे तो कोविड-19 की लड़ाई से पार पाना संभव नहीं हो पाएगा। वह लैब टेक्नीशियन ही है, जो कोविड-19 के मरीजों की डायग्नोसिस के हाई रिस्क में काम करता है। कोविड-19 के अननोन मरीज का सैंपल लैब टेक्नीशियन द्वारा कलेक्ट किया जाता है, बाद में कोविड की पुष्टि हो जाने के बाद चिकित्सक या अन्य पैरामेडिकल स्टाफ मरीज से दूरी बनाकर अपना काम करते हैं।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ, कानपुर नगर व मेरठ में कोविड-19 के सम्बन्ध में विशेष रणनीति बनाकर कार्यवाही किए जाने के दिए निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद लखनऊ, कानपुर नगर व मेरठ में कोविड-19 के सम्बन्ध में विशेष रणनीति बनाकर कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि टेस्टिंग और सर्विलांस जितना सुदृढ़ होगा, कोरोना के प्रसार को रोकने में उतनी ही अधिक सफलता मिलेगी। उन्होंने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि माइक्रो कन्टेनमेन्ट जोन, टेस्टिंग और सर्विलांस आदि के सम्बन्ध में निरन्तर फीडबैक लेते हुए उचित कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि जब तक कोरोना की कोई वैक्सीन नहीं आती, तब तक सतर्कता व बचाव ही एक मात्र उपाय है। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण की दर को नियंत्रित करने में सफलता मिली है। पिछले एक सप्ताह में सक्रिय कोरोना के केसेज की

संख्या में काफी कमी आई है, यह एक अच्छा संकेत है। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार की कोविड-19 के प्रति अपनाई गई रणनीति कारगर रही है। कोविड-19 नियंत्रण सम्बन्धी कार्य सक्रियता के साथ निरन्तर जारी रखें जाएं। उन्होंने फोकस्ड टेस्टिंग किए जाने पर बल देते हुए कहा कि कोविड बेड्स की संख्या में वृद्धि सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत कोविड-19 के सम्बन्ध में पूरी सतर्कता व बचाव के उपाय अपनाते हुए कार्य संचालित किए जाएं। महत्वपूर्ण चौराहों व स्थानों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से कोविड-19 के सम्बन्ध में जागरूकता उत्पन्न करने का कार्य प्रभावी रूप से किया जाए। निगरानी समितियों को कार्यशील रखा जाए। कोविड हेल्प डेस्क सभी अस्पतालों, औद्योगिक इकाइयों, सरकारी कार्यालयों में निरन्तर कार्यशील रहें। प्रत्येक जनपद में इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर को सुदृढ़ करते हुए उन्हें प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। मुख्यमंत्री को अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा ने अवगत कराया कि आर0टी0पी0आर0 के माध्यम से 60 हजार टेस्टिंग किए जाने की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनलॉक व्यवस्था के तहत औद्योगिक विकास और गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। इन्वेस्टर्स समिट के दौरान और उसके बाद प्रदेश में निवेश के इच्छुक उद्यमियों और निवेशकों से निरन्तर संवाद रखा जाए। उनकी समस्याओं का निस्तारण शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी के साथ बैठक किए जाने के निर्देश दिए और कहा कि ऐसी कार्य योजना बनाई जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग स्वरोजगार से जुड़ सकें। मुख्यमत्री ने कहा कि 01 अक्टूबर, 2020 से धान खरीद की कार्यवाही की जाएगी। इस सम्बन्ध में सारी व्यवस्थाएं समय रहते कर ली जाएं, जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को उनकी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रत्येक दशा में मिले। उन्होंने गौ आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि वहां चारे की पर्याप्त व्यवस्था हो। गौवंश का टीकाकरण भी कराया जाए। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री जपय प्रताप सिंह, मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा डॉ0 रजनीश दुबे, अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल, प्रमुख सचिव पशुपाल भुवनेश कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

वसीम रिजवी ने प्रधानमंत्री को भेजी '9 मस्जिदों की सूची' कहा-इसे मंदिर तोड़कर बनाया गया है

लखनऊ, संवाददाता। शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन वसीम रिजवी ने पीएम मोदी को पत्र लिखा है। पत्र में वसीम रिजवी ने प्रधानमंत्री से 'प्लेसेस ऑफ वरशिप एक्ट 1991' को समाप्त करने कि की मांग की है। साथ ही उन्होंने उन 9 मस्जिदों की सूची भेजी है जिसे मुगलकाल के दौरान मंदिर तोड़कर बनाया गया है। इस दौरान वसीम रिजवी ने कहा, 'कांग्रेस ने कट्टरपंथी संगठनों को खुश करने के लिए एक्ट बनाया था। उस एक्ट को खत्म कर हिंदुओं की धार्मिक सम्पत्तियां उनको वापस सौंपा जाना न्याय होगा। वसीम रिजवी ने कहा कि मेरे द्वारा प्रधानमंत्री को एक प्रस्ताव भेजा गया है जिसमें 'प्लेसेस ऑफ वरशिप एक्ट 1991' है।

जो कांग्रेस की हुकूमत में मुस्लिम कट्टरपंथी संगठनों को खुश करने के लिए और मुगलों द्वारा भारत के पवित्र मंदिरों को तोड़कर बनाई गई अवैध मस्जिदों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया था उसे समाप्त करने की गुजारिश की है। मुगलों द्वारा तोड़ें गए सभी प्राचीन मंदिरों को मुगलों के शासनकाल में पहले जैसी स्थिति में लाया जाए इसके लिए कानून बनाए जाने की जरूरत है। मैंने मूल रूप से उन मंदिरों का जिक्र किया है जो अवैध रूप से तोड़कर मस्जिद बनाई गई हैं। उन सभी मस्जिदों का विवरण भी मैंने अपने प्रस्ताव में लिखा है। हम एक लोकतांत्रिक मुल्क में रहते हैं। हिंदुओं के साथ में मुगलों द्वारा की गई जुल्म और ज्यादती को वापस तो नहीं किया जा सकता लेकिन उनकी धार्मिक संपत्तियां जो मुगलों ने तोड़ी है उन्हें हिंदुओं को सौंपा जाना भारतीय बहुसंख्यक हिंदु समाज के साथ में न्याय होगा।

राजधानी में किसान बिल पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, लल्लू समेत कई कार्यकर्ता गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। हाल ही में संसद में पारित नए 'किसान विधेयक' के विरोध में सोमवार को राजधानी में प्रदर्शन करने के दौरान उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। पार्टी के मीडिया संयोजक लल्लन कुमार ने बताया कि किसान विरोधी कानून के खिलाफ पूरे प्रदेश के पार्टी कार्यकर्ता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष लल्लू के नेतृत्व में एकत्र हुये और प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता और अध्यक्ष जब राजभवन की ओर बढ़ रहे थे तब सभी को गिरफ्तार कर पुलिस इको गार्डन ले गई जहां उन्हें रखा गया है। लल्लन ने दावा किया कि प्रदेश के कई जिलों से ऐसी खबरे मिल रही है कि कांग्रेस के जो कार्यकर्ता इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने लखनऊ आ रहे थे उन्हें हिरासत में लेकर यहां आने से रोक दिया गया है।

राज्यमंत्री ने महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की

प्रयागराज। राज्यमंत्री, महिला कल्याण एवं बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती स्वाती सिंह ने जनपद प्रयागराज में महिला कल्याण एवं बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार की मण्डलीय समीक्षा बैठक की।

मा0 मंत्रीजी के द्वारा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की गयी। पति की मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन अनुदान योजना की मण्डलीय समीक्षा की गयी योजना के सभी पात्र लाभार्थियों की द्वितीय किश्त पी.एफ.एम.एस के माध्यम से सभी के खाते में धनराशि अन्तरित हो गयी है सभी को द्वितीय किश्त का भुगतान प्राप्त हो चुका है। कन्या सुमंगला योजना के अर्न्तगत सभी पात्र लाभार्थियों का ऑगनवाडी

के माध्यम से प्रतिदिन 25-30 घरो (परिवारों) सर्वे कराये जाने हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिये गये। और निर्देशित किया गया कि इस योजना के अन्तर्गत कोई भी पात्र लाभार्थी लाभ से वंचित रहने पाये के निर्देश दिये गयें। कन्या सुमंला योजना के साथ ही साथ 181 वन स्टाप सेन्टर का प्रचार कराये जाने पर जोर दिया गया। बालिकाओं का बोनमैरो टेस्ट इसी योजना के तहत कराये जाने के निर्देश दिये गये। बेटी बचाओ बेटी पढाओ के प्रचार -प्रसार पर बहुत अधिक बल देते हुए सभी जिला प्रोबेशन अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि योजना का प्रचार -प्रचार होडिंग, भित्त लेखन एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कराये जाने के निर्देश दिये गये। उपरोक्त के अतिरिक्त किशोर न्याय (बालको की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के अन्तर्गत संचालित राजकीय सम्प्रेक्षण, राजकीय बाल गृह (बालिका) राजकीय बाल गृह (शिशु) राजकीय महिला शरणालय प्रयागराज एवं अर्द्ध सरकारी स्वैच्छिक संगठनों के माध्यम से संचालित खुला आश्रय गृह, बाल गृह (बालक) स्वाधार गृह की समीक्षा की गयी। स्पासन्सरसिप योजना के अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हेतु सभी जिला प्रोबेशन अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस योजना के अन्तर्गत सभी पात्र लाभार्थियों का फालोअप करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में प्रभात रंजन उप मुख्य परिवीक्षा अधिकारी प्रयागराज मण्डल प्रयागराज, पंकज कुमार मिश्र, जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रयागराज, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रयागराज, राजनाथराम जिला प्रोबेशन अधिकारी कौशाम्बी, प्रभारी जिला प्रोबेशन अधिकारी फतेहपुर , प्रतिनिधि जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रतापगढ, अजीत सिंह ,सचिव, चाइल्ड लाइन रेलवे, एवं जनपद चाइल्ड लाइन प्रयागराज प्रतिनिधि तथा अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

जमीन के विवाद में हुई मारपीट दर्ज हुई क्राश केश

प्रयागराज। उतरांव के भरहरी गांव में जमीन विवाद में जमकर मारपीट और ईंट पत्थर चले। पुलिस ने मामले में क्राश केश दर्ज किया।भरहरी गांव के राम श्रृंगार का बेटा सतेन्द्र अपनी बहन को स्कूल छोड़ कर घर आ रहा था जैसे ही सतेन्द्र गांव के राम सेवक, चंद्र भान, चंद्रदेव के घर के पास पहुंचा वैसे ही जमीन विवाद में रंजिश के कारण सतेन्द्र को पीटने लगे। सतेन्द्र शोर मचाया तो घर के लोग दौड़ कर आये।यह देख विपक्षी पार्टी के लोगों ने छत से ईंट पत्थर फेंकने लगे। जिससे दोनों तरफ़ की महिलाओं को चोटें आई। पुलिस मौके पर पहुंच कर डंडे पटक कर विवाद को शांत कराया। दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज कर घायलों को अस्पताल भेज दिया। घटना से गांव में तनाव बना हुआ है।इस संबंध में राम श्रृंगार ने बताया कि विपक्षी लोग गुंडई के बल पर जमीन हड़पना चाहते हैं।

बाइक सवार युवक को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर दुर्घटना में मौत

रुद्र प्रताप सिंह। मलिहाबाद लखनऊ थाना मलिहाबाद में रविवार को बल्ली लादकर ले जा रहे ट्रैक्टर ट्राली से देर रात में मलिहाबाद मोहान रोड पर आगे आगे जा रहे बाइक सवार को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार युवक चंद्रसेन पुत्र बलदेव की मौके पर ही मौत हो गई पीछे बैठी युवक की पत्नी सुषमा गंभीर रूप से घायल हो गई जिसे परिजनों ने एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र की ग्राम पंचायत मोहम्मद नगर,रहमतनगर के मजरे रहमतनगर निवासी चंद्रसेन पुत्र बलदेव उम्र लगभग 45 वर्ष अपनी पत्नी सुषमा के साथ काकोरी कोतवाली क्षेत्र के शेरपुर मऊ गांव में रिस्तेदारी में भंडारे से वापस अपनी बाइक से घर आ रहे थे। तभी मलिहाबाद क्षेत्र के केवलहार के पास पीछे से यूकेलिप्टस की बल्लियों से भरी

ट्रेक्टर ट्राली ने जोरदार टक्कर मार दी। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचना दी । मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने गंभीर रूप से घायल पति पत्नी को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां से डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। जहाँ डॉक्टरों ने चंद्रसेन को मृत घोषित कर दिया। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद लगभग चार बजे अंतिम संस्कार किया गया।मृतक के परिवार में पत्नी सुषमा 42 दो पुत्रों में बड़ा बेटा मान सिंह 22 व अजीत 17 तथा एक पुत्री मनोरमा 20 हैं।

राजमार्ग के किनारे पलटा पेड़ दे रहा बड़ी घटना को दावत

रुद्र प्रताप सिंह। लखनऊ मलिहाबाद हरदोई राजमार्ग से सटे भतोइया व रसूलाबाद के बीच में हरदोई लखनऊ राज्यमार्ग पर सुबह से शीशम का पेड़ पलटा हुआ पड़ा है पर वन विभाग के अफसर को नहीं दिख रहा है पलटा हुआ शीशम का पेड़ वन विभाग कोई भी उच्च अधिकारी संज्ञान में नहीं ले रहा है सड़क के किनारे पलटा हुआ पेड़ जिससे दोपहिया वाहनों को बीच रोड से मजबूरी में निकलना पड़ रहा है जिससे कभी भी एक्सीडेंट होने के संभावना बढ़ जाती है लखनऊ से लेकर मलिहाबाद रहीमाबाद हरदोई बॉर्डर तक बीच मे जगह जगह पर लखनऊ हरदोई राजमार्ग के किनारे पेड़ राजमार्ग से सटे हुए हैं जिसकी छटाई समय पर ना होने के कारण पेड़ों में लगी टहनियां राजमार्ग को छू रही जिससे यातायात में दोपहिया वाहनों को गाड़ी क्रॉस करने में पेड़ों की टहनियों से सटाकर निकालना पड़ता है जिससे पेड़ों में लगी डाले कभी भी हाथों और पैरो में फंस सकती हैं और इससे हो सकती है कोई बड़ी घटना और सरकार को इसके विरुद्ध कदम उठाना चाहिए जिससे भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

वृक्षारोपड़ हेतु इच्छुक कृषक एवं संस्थायें भू-अभिलेख विवरण के साथ निःशुल्क पौधे प्राप्त करने हेतु संम्पर्थ करें

प्रयागराज। मुख्य उद्यान विशेषज्ञ, औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, खुशरूबाग ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उ0प्र0 के अधीन संचालित राजकीय पौधशाला औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र खुशरूबाग में कटहल, नीबू, सहजन, अमरूद, जामुन के साथ-साथ शोभाकार पौधे, कदम, चितवन, पुत्रजीवा, मौलश्री के बीजू पौधे वृक्षारोपड़ हेतु निःशुल्क उपलब्ध हैं। वृक्षापरोड़ करने वाले कृषकों एवं राजकीय व अर्धशासकीय संस्थाओं को पौधे निःशुल्क दिये जाने हैं। वृक्षारोपड हेतु इच्छुक कृषक एवं संस्थायें भू-अभिलेख विवरण के साथ पौधशाला प्रभारी औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, खुशरूबाग प्रयागराज से सम्पर्क कर निःशुल्क पौधे प्राप्त कर सकते है। पौधों के रोपड़ आदि तकनीकी जानकारी हेतु मुख्य उद्यान विशेषज्ञ औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, खुशरूबाग प्रयागराज के मो0-8604800161 पर संपर्क कर सकते है।

कोरोना पॉजिटिव के घर के बाहर लगाया जाएगा बोर्ड आदेशः प्रमुख सचिव

प्रयागराज। प्रमुख सचिव वन एवं पर्यावरण सुधीर गर्ग ने रविवार को जिले में कोरोना को लेकर किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि अगर हॉट स्पॉट जोन बनाने में परेशानी हो रही है तो कम से कम मरीज के घर बाहर बोर्ड लगा दिया जाए ताकि आसपास के लोग सतर्क रहें कोविड-19 की समीक्षा बैठक में जिले के नोडल अधिकारी के रूप में सुधीर गर्ग ने कहा कि जांच का दायरा बढ़ाया जाए और प्रतिदिन छह हजार लोगों की जांच की जाए इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाए प्रमुख सचिव ने कहा कि कटेंनमेंट जोन में शत प्रतिशत लोगों की जांच कराई जाए इसके अलावा होम आईसोलेट किए गए मरीजों से दिन में कम से कम दो बार फोन कर उनका हालचाल जरूर लिया जाए इसे अपलोड भी किया जाए मरीजों के परिजनों के पास चिकित्सक का नंबर जरूर होना चाहिए नोडल अधिकारी ने माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाने के लिए हिदायत दी उन्होंने अफसरों से कहा कि उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

बैठक में उन्होंने साफ-सफाई के साथ-साथ सैनेटाइजेशन के कार्य को भी नियमित रूप से कराये जाने के लिए कहा है एल-2 और एल-3 के अस्पतालों में बेड़ की संख्या बढ़ाए जाने तथा लोगों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु निरंतर जागरूकता अभियान चलाये जाने के लिए कहा है उन्होंने रेलवे हॉस्पिटल के बारे में भी जानकारी ली मेडिकल कालेज में बैठक में उन्होंने अस्पताल में आने वाले मरीजों की जांच कराये जाने एवं एक्सरे किए जाने की स्थिति के बारे में जानकारी ली उन्होंने शत-प्रतिशत मरीजों का एक्सरे कराए जाने के लिए कहा बैठक में डीएम भानु चंद्र गोस्वामी,नगर आयुक्त रवि रंजन,सीडीओ आशीष कुमार,प्रिसिंपल मेडिकल कॉलेज डॉ0 एसपी सिंह, सीएमओ डॉ0 जीएस वाजपेयी आदि अधिकारी मौजूद रहे

नोडल अफसर ने एसआरएन का किया निरीक्षण जिले के नोडल अफसर ने रविवार को एसआरएन का भी निरीक्षण किया उन्होंने बसवार प्लांट और मेला कार्यालय में बनाए गए कंट्रोल रूम का भी जायजा लिया बसवार प्लांट में हो रहे कार्य के बारे में उन्होंने अफसरों से पूछा कंट्रोल रूम में कोविड-19 को लेकर सूचनाएं कैसे ली जा रही हैं,उसके बारे में भी उन्होंने ब्यौरा लिया।

दर्शनार्थियों से भरी आटो, अनियंत्रित होकर पल्टी दो की मौत, कोहराम

प्रयागराज। लालापुर थाना अंतर्गत मनकामेश्वर धाम जा रहे दर्शनार्थियों से भरी तीन पहिया वाहन पलटी दो की मौत। करछना थाना क्षेत्र के करेहा बाजार निवासी रविशंकर प्रसाद विश्वकर्मा अपने पुत्र के मुंडन हेतु लालापुर स्थित मनकामेश्वर धाम जा रहे थे। बेला मुंडी स्थित मोड़ पर अनियंत्रित होकर तीन पहिया वाहन पलट गई। जिसमें सवार लगभग 13 लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए, और दो की मौत हो गई । मृतक में अनारकली 66 वर्ष एवं आयुष 1 वर्ष अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिए । शेष 11 लोगों को सीएससी जसरा से रेफर किया गया है। जिन का इलाज एसआरएम

प्रयागराज में चल रहा है। घायलों में धर्मेंद्र कुमार संगीता देवी, मंजू देवी, अंजलि, स्वरूप वती, यशी, पार्वती,नेहा व अन्य लोगों को प्रयागराज भेजा गया है।

चक्रवाती तूफान ने बरपाया कहर ग्रामीणों के लाखों का नुकसान

प्रयागराज। लालापुर क्षेत्र के नगरवार व जगदीशपुर गांव में रबिवार को चार बजे अचानक भयंकर चक्रवाती तूफान ने लगभग 10 मिनट तक खुब कहर बरपाया,कचरा गांव से लेकर जगदीशपुर के बीच इस तूफान का केंद्र बिंदु रहा,इस तूफान ने कई दरगज महुवा, आम,के पेड़ को जड़ से उखाड़ फेंका,उसी के चपेट में बिजली का पोल सहित ट्रांसफार्मर जमीन पर धरासाई हो गया,इस चक्रवाती तूफान के चपेट मेंआने की वजह से राम गणेश पाठक ग्राम प्रधान कचरा नगरवार की चार दिवारी गिर गयी,वही धान की फसल कचरा,नगरवार, जगदीशपुर,गांव में तूफान की चपेट में आने की वजह से किसानों की पूरी फसल चौपट हो गयी।इस तूफान के आने से किसानों की खेती से लेकर घर तक लाखो का नुकसान हुआ।वही ग्राम प्रधान नगरवार का कहना है कि बहुत ही सोचनीय बिषय है कि ए चक्रवाती तूफान इसी जगह पर साल पूरा होते ही आ जाता है,और चन्द पल में सब कुछ बर्बाद करते हुए चला जाता है,पिछले साल भी इसी तरह चक्रवाती तूफान आया था जिसमे कईओ के घर पेड़ फसल बर्बाद हो गयी थी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत

प्रयागराज। क्षेत्र के भदवा गांव में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक महिला की मौत हो गई।सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची। भदवा गांव निवासी राजाराम भारती जो मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। रविवार शाम लगभग 6:30 के करीब

उसकी पत्नी पार्वती देवी 45 वर्ष जो सैदाबाद से आ रही थी। जैसे ही उतराव थाना क्षेत्र के रेलवे फाटक के पास पहुंची थी कि एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिसमें महिला लहूलुहान होकर सड़क पर गिर गई। टक्कर मारकर अज्ञात वाहन तेजी से फरार हो गया। वही रास्ते से आ जा रहे लोगों ने शोर मचाया तो भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं मौत की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मच गया। मृतिका के तीन बेटे अजय विजय धीरज व एक बेटी मनोजा हैं। मृतिका पार्वती देवी की मौत से पति समेत पूरे परिवार का रो रो कर बुरा हाल है।

स्मार्ट सिटी, नगर निगम, पीडीए के अधिकारी व एसपी ट्रैफिक आपस में समन्वय बनाकर ट्रैफिक/पार्किंग का एक्शन प्लान बनायें

प्रयागराज। मण्डलायुक्त आर0 रमेश कुमार की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय स्थित त्रिवेणी सभागार में प्रयागराज विकास प्राधिकरण के तत्वाधान में ट्रैफिक/पार्किंग का एक्शन प्लान बनायें जाने के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। मण्डलायुक्त ने शहर के विभिन्न मार्गों पर बनने वाले पार्किंग एरिया, ग्रीन एरिया, सिटिंग प्लान, वेण्डर जोन, हॉकर जोन के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिये कि नगर निगम, पीडीए एवं एसपी टैऊफिक व स्मार्ट सिटी के अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर एक विस्तृत कार्ययोजना बनाते हुए इन बिंदुओं पर कार्यवाही करें, जिससे कि प्रयागराज शहर को स्मार्ट सिटी बनाने का लक्ष्य बेहतर तरीके से प्राप्त किया जा सके। उन्होंने

कहा कि फेज-2 में बनने वाले सड़कों का विस्तृत अध्ययन करते हुए कुछ इस प्रकार से प्लान किया जाये, जिससे शहर हमारा स्वच्छ के साथ-साथ सुन्दर दिखे। उन्होंने कहा कि स्पीड ब्रेकर, रोड सिग्नल, साइनेज इत्यादि का बेहतर इस्तेमाल ही शहर को स्मार्ट बनाता है। शहर को जाम मुक्त बनाने के लिए ई-रिक्सा को बेहतर प्रबंधन के साथ-साथ दुपहिया वाहन एवं साइकिल के लिए भी विशेष व्यवस्थायें देनी होगी। शहर में बढ़ते ई-रिक्सा की संख्या के वजह से ट्रैफिक की समस्या आ रही है, जिसको उचित प्रबंधन के द्वारा ठीक करते हुए शहर को जाम मुक्त बनाया जा सकता है। बैठक में नगर आयुक्त-रवि रंजन, पीडीए उपाध्यक्ष-अंकित अग्रवाल सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

किसान विरोधी काले कृषि कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरे कांग्रेसी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

❑ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू सहित सैंकड़ों नेता अलग-अलग जिलों में हुए गिरफ्तार ❑ पुलिस के घेरे को धता बताकर राजधानी के परिवर्तन चौक पहुंचे श्री अजय कुमार लल्लू, हजारों कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस ने किया गिरफ्तार ❑ कांग्रेस के आन्दोलन से भयभीत योगी सरकार ने रात्रि से कांग्रेस नेताओं को उनके घरों में किया नजरबंद, लखनऊ की सभी सीमाओं को सीलकर कांग्रेस नेताओं को रोका

लखनऊ। उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर मोदी सरकार द्वारा बनाये गये किसान विरोधी तीन काले कानून के खिलाफ आज प्रदेशव्यापी आन्दोलन के तहत हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता जिलो-जिलों में सड़कों पर उतरे जिन्हें पुलिस ने बलपूर्वक गिरफ्तार कर लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू के नेतृत्व में विधानसभा की ओर कूच कर रहे हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं को परिवर्तन चौक पर योगी सरकार के इशारे पर भारी पुलिस बल द्वारा जबरिया गिरफ्तार कर लिया गया और बसों में भरकर इको गार्डेन ले गये। देर सायं उन्हें रिहा किया गया। कांग्रेस विधान परिषद दल के नेता श्री दीपक सिंह को परिवर्तन चौक पहुंचने पर पुलिस ने गिरफ्तार कर पुलिस लाइन ले गयी जहां देर सायं रिहा किया गया।

परिवर्तन चौक पर लखीमपुर, कानपुर, बाराबंकी, फैजाबाद, रायबरेली, अमेठी आदि जनपदों से हजारों की संख्या में पहुंचे कांग्रेसजनों को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू जी ने कहा कि भाजपा द्वारा बनाये गये नये तीन कृषि कानून देश के अन्नदाता को बदहाली पर पहुंचाने वाला है। नये कानून में कृषि उत्पाद का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने का जिक्र न होना इस बात की तरफ इशारा करता है कि सरकार ने कृषि व्यवस्था को पूरी तरह से कार्पोरेट और पूंजीपतियों के हवाले कर दिया है। इससे देश की कृषि व्यवस्था जिसमें 86.4 प्रतिशत किसान जिसकी जोत 2 एकड़ से कम है वह नई प्रतिस्पर्धात्मक व्यवस्था से बाहर हो जायेगा और किसान अधिकार विहीन हो जाएगा उसकी हैसियत मात्र एक मजदूर की हो जाएगी। तीनों नये कृषि कानूनों में एम0एस0पी का जिक्र न किये जाने से सरकारी अनाज मंडिया, सब्जी तथा फल मंडिया समाप्त हो जायेंगी जिसकी वजह से किसान पूंजीपतियों द्वारा तय किये गये मूल्य पर अपने उत्पादित फसल को बेचने के लिए बाध्य हो जाएगा। अनाज मण्डी, सब्जी व फल मण्डी खत्म करने से कृषि उपज व्यवस्था पूरी तरीके से नष्ट हो जाएगी और पूंजीपतियों को फायदा होगा। आवश्यक वस्तु अधिनियम की सूची से अनाज, दालें, खाद्य तेल, आलू, प्याज आदि बुनियादी चीजों को बाहर करने से कारोबारी जमा खोरी करना शुरू कर देंगे, कीमतों में अस्थिरता आ जायेगी और देश में कालाबाजारी बढ़ जाएगी जिसका खामियाजा देश की बेहाल परेशान जनता और किसान को भुगतना पड़ेगा, जिसे कांग्रेस पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के हितों के लिए शुरू से ही संघर्ष करती रही है और जब तक इस काले कानून को वापस नहीं लिया जाता तब तक चुप नहीं बैठेगी और सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।

श्री अजय कुमार लल्लू ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार इस आन्दोलन से इतना भयभीत है कि कांग्रेस नेताओं को उनके घरों में रात से ही नजरबंद कर दिया गया और भारी पुलिस का पहरा लगा दिया है। वरिष्ठ नेता श्री प्रमोद तिवारी, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा'मोना', पूर्व मंत्री श्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी को उनके घरों में नजरबंद किया गया। जिला कांग्रेस लखनऊ के अध्यक्ष श्री वेद प्रकाश त्रिपाठी को उनके घर पर नजरबंद किया

गया। पुलिस द्वारा कांग्रेसजनों को जगह-जगह पर रोके जाने के तहत बाराबंकी मोड़ पर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी प्रशासन श्री सिद्धार्थ प्रिय श्रीवास्तव को लगभग डेढ़ घण्टे पुलिस ने हिरासत में रखा। श्री ओंकारनाथ सिंह, श्री अशोक सिंह, श्री हरनाम सिंह चैहान, श्री शैलेन्द्र तिवारी को उनके घरों में नजरबंद किया गया। झांसी में पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री प्रदीप जैन आदित्य एवं शहर अध्यक्ष श्री अरविन्द वशिष्ट को उनके घरों में नजरबंद किया गया। रायबरेली में श्री अशोक सिंह को उनके घर पर नजरबंद किया गया। परिवर्तन चैक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू जी के नेतृत्व में गिरफ्तार होने वालों में प्रमुख रूप से अ0भा0 कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक श्री नदीम जावेद, विधायक एवं प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष श्री सोहेल अख्तर अंसारी, पूर्व मंत्री श्री सुरेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक श्री श्यामकिशोर शुक्ल, पूर्व विधायक श्री संजीव दरियाबादी, लखनऊ महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री मुकेश सिंह चैहान, श्री तरूण पटेल, श्री मनोज यादव, श्री अनिल यादव, श्रीमती ममता चैधरी, श्रीमती प्रतिभा अटल पाल, श्री मनोज तिवारी, अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन श्री शाहनवाज आलम, श्री अभिमन्यु सिंह, श्री दिलप्रीत सिंह, डा0 रेहान अहमद खान, श्री सुबोध श्रीवास्तव, डा0 शहजाद आलम, श्री आर0बी0 सिंह, श्री ईस अहमद, श्री शाहिद अली, श्री रेहान कुरैशी, श्री योगेश्वर सिंह, श्री हारून, श्री परवीन सिन्हा, श्री योगेन्द्र सिंह नेगी, श्री श्री सत्या पटेल, श्री अमानुर्रहमान एड0, श्री मनोज तिवारी, श्री अंजनी शुक्ला पिण्टू, मो0 इरफान एड., श्री अजय वर्मा, श्री माता प्रसाद नेता, श्री के0के0 शुक्ला, सै0 हसन अब्बास, मो0 शुएब चांद, मो0 शफीक, श्री अजय श्रीवास्तव, श्री शिव कुमार गुप्ता, श्री रामपाल यादव, श्री अशोक उपाध्याय, मो0 शब्बीर हाशमी, श्री राम लखन वर्मा, श्री संजय श्रीवास्तव, श्री ज्ञान प्रकाश राय, श्री बसंत लाल गुप्ता, श्री रोशन यादव, श्री सुरेन्द्र सक्सेना एड., श्री स्वतंत्र शुक्ला, श्री सुनील पाल, श्री हरिओम अवस्थी, श्री फैरयाज, श्री इरफान शेख, श्री इरशाद, श्री नीरज चैहान, मो0 इमरान, सतेन्द्र वर्मा, श्री सुरेश लोधी सहित हजारों की संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे। राजधानी को आने वाले सभी रास्तों को पुलिस द्वारा सील कर दिया गया। गोण्डा के जिलाध्यक्ष श्री पंकज चैधरी, श्रावस्ती के जिलाध्यक्ष श्री नसीम चैधरी, बहराइच के जिलाध्यक्ष श्री जे0पी0 मिश्रा सहित उनके साथ आ रहे लोगों को बाराबंकी टोल प्लाजा और फतेहपुर में पुलिस ने गिरफ्तार किया।

महिला कांग्रेस की पूर्वी जोन की अध्यक्ष श्रीमती शहला अहरारी को बाराबंकी में टोल पर अरेस्ट कर लिया गया। हैदरगढ़ में कांग्रेसजनों को गिरफ्तार किया गया। बदायूं से आ रहे कांग्रेसजनों को शाहजहांपुर में आलापुर थाने पर रोका गया। शाहजहांपुर के जिलाध्यक्ष श्री रजनीश गुप्ता के साथ आ रहे लोगों को मलिहाबाद में पुलिस ने रोका। इसके बावजूद लखीमपुरखीरी, रायबरेली, बरेली, उन्नाव, कानपुर, सीतापुर, मुरादाबाद, फैजाबाद, अम्बेडकरनगर, बाराबंकी, बहराइच, हरदोई, कानपुर नगर ग्रामीण, हापुड़ आदि विभिन्न जनपदों से हजारों की संख्या में कांग्रेसजनों ने लखनऊ पहुंचकर किसान विरोधी तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ आवाज बुलन्द की और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू जी के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया। वाराणसी में जिलाध्यक्ष श्री राजेश्वर सिंह पटेल के नेतृत्व में पिण्डरा बाजार में पदयात्रा निकालकर विरोध किया गया। गाजियाबाद में कांग्रेसजनों ने व्यापक प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस पार्टी के फ्रन्टल संगठनों युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई एवं सेवादल के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। इलाहाबाद में एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में सैंकड़ों कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर गिरफ्तार किया। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में युवा कांग्रेस के पूर्वी जोन के अध्यक्ष श्री कनिष्क पाण्डेय एवं पश्चिमी जोन के अध्यक्ष श्री ओमवीर यादव के नेतृत्व में परिवर्तन चैक पर सैंकड़ों युवा कांग्रेसजनों के साथ भारी पुलिस बल ने लाठीचार्ज कर बलपूर्वक गिरफ्तार किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से गायब है, रोजगार-दाता कृषि क्षेत्र

औद्योगीकरण, शहरीकरण और खेती के आंतरिक विरोधाभासों ने किसानों को बटाईदार से मालिकान खेतिहर बनने का सपना देखने का साहस भी छीन लिया है और साथ ही अपने बच्चों को भविष्य में खेती करते देखने का भी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने जिन आत्मनिर्भर भारतीय नागरिकों के निर्माण का सपना संजोया है, जो न केवल ज्ञान, कर्म और व्यवहार, वरन विचार एवं बुद्धि के स्तर पर भी भारतीय हों। ऐसे नागरिकों की निर्मिति में कृषि और कृषि शिक्षा के माध्यम से उत्तम खेती, मध्यम बान की लोकोक्ति की संकल्पना को साकार किया जा सकता था, परन्तु राष्ट्रीय शिक्षा नीति के वृहद्, विस्तृत और भविष्याग्रही दस्तावेज में भी खेती की शिक्षा खेत रही। खुशहाल किसान की छवि में हम सर पर साफा बांधे, हाथों में हंसिया लिये, कानों में बाली पहने, मूछों पर ताव देते पुरुष को लहलहाते खेतों की तरफ देखते हुए कल्पित करते हैं। फिल्मी संकल्पना में भी खेत और किसान की खुशहाली सरसों के खेतों और बैसाखी के मेलों से ही की जाती है। अखबार पढ़ते हैं तो ऐसा लगता है जैसे किसान बीसवीं सदी का वही मजबूर नायक है जो सूदखोरों, बिचौलियों और बाढ़-सूखे से त्रस्त है। इसी नायक की बढ़ती आत्महत्याओं की दर हमें यह सोचने का सहस ही नहीं देती कि कृषि बतौर पेशा या कॅरियर 21वीं सदी के युवा का भी चयन हो सकता है। आधुनिक किसान की प्रतिछवि में अभी भी एक ठेठ-सा गंवईपन देखने के हम आदी है। ऐसे में पढ़-लिखकर खेती करना ऐसा लगता है कि डिग्रियों को जोत दिया गया है। यह बात इस सर्वेक्षण के सहारे भी पुष्ट होती है कि कृषि विश्वविद्यालयों में पढ़ने के लिए आने वाले 52 प्रतिशत छात्र ग्रामीण पृष्ठभूमि से होते हैं। जिस देश की 80 प्रतिशत आबादी अभी भी कृषि या उससे जुड़े व्यवसायों से जीवन-यापन करती हो, उस देश की श्राष्ट्रीय शिक्षा नीतिश् में इस पर एक पूरे अध्याय की उम्मीद की जाती है, पर शिक्षा शायद अभी भी उस औपनिवेशिक मनोदशा से नहीं उबर पाई है जिसका उद्देश्य ही पढ़-लिखकर श्बाबूश् बनना है। कौशल-परक शिक्षा में भी श्खेतीश् बतौर कौशल शायद ही स्थान पाये, क्योंकि कुशल होने का सम्बन्ध एक निश्चित और मानकीकृत उत्पादन की क्षमता से ही होगा और भारतीय कृषि मंत्री जब यह बयान देते हों कि भारत में असल कृषि मंत्री तो मानसून होता है तो खेती कौशल कैसे बनेगी! जमीन के मालिकाने, रैय्यतवाड़ी, बीज, सिंचाई, कटाई के संघर्षों के बाद फसल का सुरक्षित मंडी पहुंचना और उसका उचित मूल्य पर बिकना दिवास्वप्न-सा रहता है। खेती की शिक्षा पौधों की उपज भर का ज्ञान नहीं है, बल्कि यह एक समाज विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का हस्तक्षेप है। भुखमरी और अकाल से निपटने और सब तक भोजन और पौष्टिकता पहुंचाने की कवायद है। इस कृषि शिक्षा की तुलना में कहीं अधिक चिंता हम चिकित्सा शिक्षा की करते हैं, यह दीगर बात है कि कुपोषण और भूख के मसले तो केवल कृषि और उसकी पढ़ाई से ही हल किये जा सकते हैं। बीसवीं सदी के पहले दशक में औपनिवेशिक शासन ने भी चिंता व्यक्त करते हुए छह कृषि अध्ययन संस्थानों की स्थापना की थी। उन्नीसवीं सदी के अंत में आये भीषण अकाल ने भी खेती की शिक्षा को पेशेवर तरीके से आजमाने का संबल दिया होगा। हालांकि सन् 47 में आजाद होने के तेरह साल बाद हमने कृषि शिक्षा की सुध ली। स्वतंत्र भारत में पहला कृषि विश्वविद्यालय पंतनगर में 1960 में खुला, जबकि पहला आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) 1950 में ही खोल दिया गया था। इस क्रम में हम भारत के उस रुझान को समझ सकते हैं जो आधुनिक भारत में गांवों को कस्बों और कस्बों को शहरों में बदल देने की चाहत और खेती योग्य भूमि पर चमचमाते पंचतारा भवन बना देने को विकास मान लेता है। खेती में बढ़ती लागत, मांग के अनुरूप फसल की उगाई, बीज की उपलब्धता से लेकर तैयार फसल को मंडी तक पहुंचाने की व्यवस्था, भण्डारण की समस्या और सही समय पर उपज के प्रसंस्करण की अनुपलब्धता, भूमंडलीकरण के दबाव में श्जीन संवर्धितश् (जीएम) बीजों की खरीद और बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की बढ़ती दखल न केवल खेती को एक नुकसान भरा पेशा बनाती है, वरन किसानों को आत्महत्या की तरफ भी धकेलती है। खेती बतौर पेशा पहले से ही युवाओं को लुभावना नहीं लगता और न ही उन्हें इसमें कॅरियर बनाने की असीम संभावनाएं ही नजर आती हैं। युवा वर्ग उस पेशे के प्रति आकर्षित नहीं होता जिसमें हाथ और इच्छाओं दोनों का कुम्हलाना पहले से ही तय है। कृषि विज्ञान में हुई अभूतपूर्व प्रगति ने कैसी भी परिस्थिति में उपज के लिए प्रजातियां विकसित कर ली हैं, परन्तु यह सब ज्ञान-विज्ञान अभी तक प्रयोगशाला की चौहद्दी में ही हैं और बड़े पैमाने पर खेती के चलन में नहीं आ सके हैं। प्रयोगशाला और खेत की दूरी पाटने के लिए ही कृषि विज्ञान केंद्रों की संकल्पना की गई है। आज लगभग हर जिले में एक कृषि विज्ञान केंद्र है और सूचना तकनीक भी अपने स्तर पर किसानों तक ज्ञान पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। खेती करने की पारम्परिक समझ में वैज्ञानिक पुट को जोड़ने के प्रयास में राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्यापक स्तर पर श्कृषि प्रौद्योगिक पार्कोंश् को खोलने की संस्तुति करती है। इस नीति में पहले से मौजूद कृषि विज्ञान केंद्रों तथा अशोक दलवाई की अध्यक्षता में बनी किसानों की आय को दोगुना करने वाली समिति की संस्तुतियों की विवेचना न करते हुए एक नए उपक्रम की स्थापना की सिफारिश की है। प्रयोगशाला-जनित ज्ञान को किसान तक पहुंचाने के प्रयास में कोई मौलिक योगदान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में नहीं दिखता और खेती की शिक्षा को बड़े चलताऊ नजरिये से औपचारिकता पूरी करने हेतु एक पैबंद जैसा जोड़ दिया गया है। यह नीति प्राथमिक शिक्षा से लेकर अध्यापक शिक्षा तक के लिए एजेंडा तैयार करते हुए उन पर एक नई पाठ्यचर्या की तैयारी का सुझाव तो देती है, परन्तु कृषि शिक्षा की रूपरेखा के निर्माण और शिक्षण की योजना का उल्लेख नहीं करती। दूसरी तरफ यह दस्तावेज चिन्हित करता है कि देशभर के तमाम विश्वविद्यालयों में से केवल नौ प्रतिशत में ही कृषि की पढ़ाई होती है और उच्च शिक्षा में पहुंचने वाले समस्त विद्यार्थियों में से एक प्रतिशत से भी कम कृषि को बतौर अध्ययन का विषय चुनते हैं। देश का कोई-न-कोई भाग हर साल सूखे, बाढ़ अथवा टिड्डियों जैसी समस्या की चपेट में होता है। साल-दर-साल अगली फसल की उम्मीद में किसान मानसून, मंडी और सरकारी सहयोग की अपेक्षा करता है। प्रत्येक वर्ष के राष्ट्रीय बजट में कृषि के लिए घटते आबंटन, तदनन्तर शिक्षा और शोध के लिए सरकारी मद का और भी कम होना कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों को सांस्थानिक और अकादमिक संकटों को झेलने के लिए मजबूर करता है। इस सन्दर्भ में यह कोई आश्चर्य नहीं है कि आजादी के समय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 58 फीसदी योगदान करने वाला कृषि-क्षेत्र अब केवल 15 फीसदी ही योगदान कर पा रहा है। औद्योगीकरण, शहरीकरण और खेती के आंतरिक विरोधाभासों ने किसानों को बटाईदार से मालिकान खेतिहर बनने का सपना देखने का साहस भी छीन लिया है और साथ ही अपने बच्चों को भविष्य में खेती करते देखने का भी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने जिन आत्मनिर्भर भारतीय नागरिकों के निर्माण का सपना संजोया है, जो न केवल ज्ञान, कर्म और व्यवहार, वरन विचार एवं बुद्धि के स्तर पर भी भारतीय हों। ऐसे नागरिकों की निर्मिति में कृषि और कृषि शिक्षा के माध्यम से उत्तम खेती, मध्यम बान की लोकोक्ति की संकल्पना को साकार किया जा सकता था, परन्तु राष्ट्रीय शिक्षा नीति के वृहद्, विस्तृत और भविष्याग्रही दस्तावेज में भी खेती की शिक्षा खेत रही।

सम्पादकीय

मनमोहन सिंह अर्थशास्त्री से पीएम तक

डॉवाइ के अलघ ने भारत के 13वें प्रधानमंत्री (कार्यकाल 2004-2014) डॉ मनमोहन सिंह को एक बेहद कम कर के आंके गये राजनीतिज्ञ तथा बहुत बढ़ा-चढ़ा कर प्रस्तुत किये गये अर्थशास्त्री कहा था. अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह का दक्ष राजनीतिज्ञ रूप में अवतरण एक आकर्षक कथा है. मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक यानी दस साल भारत के प्रधानमंत्री रहे. बीते 26 सितंबर को डॉ मनमोहन सिंह का जन्मदिन था, उन्होंने अपने जीवन के 88 वसंत पूरे कर लिये हैं. संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) जब वजूद में आया, तो परिस्थितियां बड़ी विकट थीं. अपने प्रति दुष्प्रचार से आहत सोनिया गांधी ने 2004 के चुनाव में, कांग्रेस की विजय के बावजूद प्रधानमंत्री पद ग्रहण करने से इंकार कर दिया था. तब यूपीए में विचार-विमर्श कर मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सरकार बनाने पर सहमति बनायी गयी. इस सरकार को वाम दलों ने बाहर से समर्थन दिया था. मनमोहन सिंह सर्वमान्य नेता बनाये गये और बतौर प्रधानमंत्री उन्होंने ऐसा काम किया कि यूपीए को 2009 के चुनाव में भी सफलता मिली. अलबत्ता यह जरूर है कि इस मिली-जुली सरकार को भीतर और बाहर अनेक चुनौतियों से जूझना पड़ा. मंत्रियों के आपसी मतभेद बार-बार सामने आते रहे. अपने वरिष्ठ नेताओं पर प्रधानमंत्री का किसी भी तरह का नियंत्रण दिखायी नहीं पड़ता था. अपने दस सालों के कार्यकाल में मनमोहन सिंह 'लंबी दूरी तक दौड़ने वाले मैराथन के धावक जरूर रहे, लेकिन वे अकेले ही दौड़ते रहे.' परमाणु करार मामले में, वामपंथी पार्टियों के साथ मनमोहन का एक अलग रूप देखने को मिला. इसमें कांग्रेस ने गठबंधन धर्म नहीं निभाया. परमाणु करार को लेकर मनमोहन सिंह ने प्रतिष्ठित अंग्रेजी अखबार द टेलीग्राफ को इंटरव्यू देते हुए कहा, 'मैंने उनसे (वामपंथी पार्टियों से) कह दिया है कि इस करार पर पुनर्विचार करना संभव नहीं है. यह एक सम्मानजनक करार है, कैबिनेट ने इसे अनुमोदित किया है, हम इस पर पीछे नहीं हट सकते. मैंने उनसे कहा, उन्हें जो कुछ करना है, वे कर लें. अगर वे चाहें तो समर्थन वापस ले सकते हैं.'

बहरहाल, मनमोहन सिंह के दूसरे प्रधानमंत्रित्व काल में महंगाई बढ़ती रही. इसके बावजूद, पता नहीं किन कारणों से सिंह ने इस पर ज्यादा बात करना पसंद नहीं किया. अपने कुल 1,379 भाषणों में से मात्र 88 भाषणों में उन्होंने महंगाई पर बात की. मनमोहन सिंह काम करते रहे, लेकिन मौन रह कर, इससे वे आमजनों में आत्मविश्वास का भाव पैदा नहीं कर सके. पूर्व आइएएस व एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के डायरेक्टर प्रदीप के लाहिरी की आत्मकथा 'अ टाइड इन द अफेयर्स ऑफ मेनः अ पब्लिक सर्वेंट रिमेंबर्स' में मनमोहन से जुड़ी कई बातों का जिक्र मिलता है. उनके मुताबिक, भारतीय इतिहास में मनमोहन सिंह का योगदान प्रधानमंत्री के बजाय भारत के वित्त मंत्री के रूप में ज्यादा याद रखा जायेगा. पिक्की द्वारा दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में वित्त मंत्री मनमोहन सिंह को बतौर वक्ता शिरकत करनी थी. इस कार्यक्रम में, उनकी धर्मपत्नी गुरशरण कौर को भी आमंत्रित किया गया था. उन्हें कार्यक्रम में ले जाने के लिए एक उपसचिव नयी दिल्ली स्थित उनके घर पहुंचे. स्वाभाविक रूप से इस अधिकारी को लगा था कि भारत के वित्त मंत्री के घर पर कई सरकारी वाहन होंगे, जिसमें वह वित्त मंत्री की धर्मपत्नी को आयोजन स्थल तक ले जायेंगे. परंतु घर पहुंच कर वह आश्चर्यचकित रह गये, जब वित्त मंत्री की धर्मपत्नी ने बताया कि मंत्री जी के पास एक ही सरकारी वाहन है, जिसका उपयोग वे स्वयं करते हैं. सितंबर, 1932 में गेह (अब पाकिस्तान में) नामक छोटे से कस्बे में मनमोहन सिंह का जन्म हुआ. अपने जीवन के प्रारंभिक 12 साल उन्होंने एक ऐसे गांव में गुजारे, जहां न बिजली थी, न पानी का नल, न स्कूल, न अस्पताल. गांव से दूर स्थित एक उर्दू मीडियम स्कूल में उन्होंने पढ़ाई की, जिसके लिए उन्हें रोजाना मीलों पैदल चलना पड़ता था. वे रात को केरोसीन लैंप की रौशनी में पढ़ाई किया करते थे.

मनमोहन सिंह अपनी शिक्षा पूरी कर प्रख्यात अर्थशास्त्री रॉल प्रेबिश के अधीन संयुक्त राष्ट्र संघ में काम कर रहे थे, तभी उन्हें दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में लेक्चररशिप का ऑफर मिला. सिंह ने यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और 1969 में भारत लौट आये. इस पर डॉ. प्रेबिश को स्वाभाविक रूप से आश्चर्य हुआ कि मनमोहन सिंह जैसा विद्वान अर्थशास्त्री संयुक्त राष्ट्र की प्रतिष्ठित नौकरी छोड़कर आखिर भारत क्यों लौट रहा है. उन्होंने कहा, 'तुम मूर्खता कर रहे हो, मगर मूर्खता करना भी कभीदूकभी बुद्धिमानी होती है!'22 जून, 1991, शनिवार की सुबह वे यूजीसी के अपने कार्यालय में थे कि उनके लिए फोन आया. उसी दोपहर, प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले पीवी नरसिम्हा राव लाइन पर थे. उन्होंने मनमोहन सिंह से सीधे कहा, 'तुम वहां क्या कर रहे हो? घर जाओ और तैयार होकर सीधे राष्ट्रपति भवन आ जाओ.' यहीं से मनमोहन सिंह की राजनीतिक यात्रा शुरू होती है, जिसके बाद उन्होंने कभी पलटकर नहीं देखा.

सम्मान की हकदार हैं महिलाएं

दुबई में आइपीएल का छठा मैच रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच खेला जा रहा था. बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली ने न केवल केएल राहुल के दो कैच छोड़े, बल्कि बल्लेबाजी में भी कोई कमाल नहीं दिखा सके. वह पांच गेंदों पर सिर्फ एक रन बना कर पवेलियन लौट गये. सुनील गावस्कर कमेंटरी कर रहे थे. उन्होंने कहा, विराट कोहली ने लॉकडाउन में बस अनुष्का शर्मा की गेंदबाजी का सामना किया है. उससे तो कुछ नहीं बनना है. अनुष्का शर्मा ने सुनील गावस्कर के इस बयान पर कड़ी आपत्ति जतायी है. अनुष्का ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा- श्रीमान सुनील गावस्कर, मैं आपसे कहना चाहती हूं कि आपका यह बयान बेहद अप्रिय है. आप एक क्रिकेटर के खेल के लिए उसकी पत्नी को जिम्मेदार क्यों ठहराते हैं? मैं अच्छी तरह से जानती हूं कि आपने हर क्रिकेटर के निजी जीवन का सम्मान किया है, तो आपको ऐसा नहीं लगता है कि ऐसा मेरे साथ भी होना चाहिए? मुझे यकीन है कि मेरे पति के प्रदर्शन पर टिप्पणी करने के लिए आपके दिमाग में कई वाक्य और शब्द आये होंगे या आपके शब्द केवल तभी मायने रखते हैं, जब उनमें मेरा नाम आया हो? कब ऐसा होगा, जब मुझे क्रिकेट में घसीटना बंद किया जायेगा और इस तरह की एकतरफा टिप्पणियां नहीं की जायेंगी? अनुष्का शर्मा के इस बयान के बाद सुनील गावस्कर ने एक न्यूज चौनल से बातचीत में सफाई दी कि उनका इरादा अनुष्का को दोषी ठहराने या उन पर किसी तरह का इलजाम लगाने का नहीं था. वह सिर्फ यह कहना चाह रहे थे कि लॉकडाउन के कारण विराट कोहली हों या धौनी या कोई अन्य खिलाड़ी, उनको अभ्यास करने का मौका नहीं मिला और इसका असर सभी के पहले एक-दो मैच में देखने को भी मिला है. अनुष्का शर्मा पर पहले भी लोग टीका-टिप्पणी करते रहे हैं. उन्हें हमेशा से विराट कोहली के खराब प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता रहा है. जब आम जन ही नहीं, बल्कि वरिष्ठ खिलाड़ी भी ऐसा कहते नजर आते हैं, तो बात गंभीर हो जाती है. इसके पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकी पर फारुख इंजीनियर ने कहा था कि विश्व कप के दौरान टीम इंडिया के चयनकर्ता विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा की चाय का कप उठाने में व्यस्त थे. इसका भी अनुष्का ने ट्वीट कर जवाब दिया था कि वह हमेशा झूठी और मनगढ़ंत खबरों पर चुप रहती थी, लेकिन अब उनके लिए ऐसा करना मुश्किल हो गया है. उनके बारे में कहा जाता था कि वह टीम की बैठक का हिस्सा हुआ करती थीं और चयन प्रक्रिया को भी प्रभावित करती थीं. पति के साथ विदेश दौरे को लेकर भी उन्हें सुर्खियों में लाया जाता रहा है. किसी ने कभी सच जानने की कोशिश नहीं की, जबकि उन्होंने हमेशा नियमों का पालन किया है. इसके पहले भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या और केएल राहुल ने भी एक शो के दौरान महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थीं और दंड स्वरूप उन्हें कुछ समय के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने निलंबित कर दिया था. ये घटनाएं केवल हार्दिक पांड्या अथवा केएल राहुल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज के एक वर्ग की मानसिकता को दर्शाती हैं, जिसमें महिलाएं भोग और विलास की वस्तुएं हैं. राजनीति में तो ऐसे बयानों की सूची अंतहीन है. रफेल पर बहस के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तत्कालीन रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी. सन् 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कांग्रेसी सांसद रेणुका चौधरी पर टिप्पणी को भी अनुचित करार दिया गया था. समाजवादी पार्टी के नेता मुलायम सिंह का 2014 का एक बयान भी खबरों में रहा था, जिसमें उन्होंने कहा था, क्या रेप में फांसी दी जायेगी? अरे लड़के हैं, गलती हो जाती है. मानुषी छिल्लर के मिस वर्ल्ड बनने पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने उन्हें चिल्लर कह कर उनका मजाक उड़ाया था.

राजस्थान विस चुनाव के दौरान शरद यादव ने तत्कालीन सीएम वसुंधरा राजे की सेहत को लेकर बयान दिया था. कड़ी प्रतिक्रिया हुई, तो खेद प्रकट किया था. 1996 में जब पहली बार महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा में पेश करने की कोशिश की गयी थी, तब शरद यादव ने आपत्ति जतायी थी और कहा था कि इस विधेयक से सिर्फ श्परकटी महिलाओंश् को ही फायदा पहुंचेगा. आशय यह है कि सार्वजनिक रूप से दिये गये ऐसे अनेक बयान हैं, जिनमें महिलाओं को कमतर बताने की कोशिश हुई है. ये घटनाएं इस बात की ओर भी इशारा करती हैं कि देश में यह धारणा अब भी मजबूत है कि स्त्री का दर्जा दोयम है, जबकि देखा जाए, तो भारतीय महिलाएं जिंदगी के सभी क्षेत्रों में सक्रिय हैं.

भारतीय परंपरा में भी महिलाओं का उच्च स्थान है. जल्द ही दुर्गा पूजा के दौरान हम नौ दिनों तक नारी स्वरूपा देवी की उपासना करेंगे, लेकिन नारी में देवत्व का यह भाव समाज में केवल कुछ समय तक ही रहता है. महिला उत्पीड़न की घटनाएं बताती हैं कि हम जल्द ही इसे भुला देते हैं, लेकिन यह अवधारणा अचानक प्रकट नहीं हुई है. हमारी सामाजिक संरचना में बचपन से ही यह बात बच्चों के मन में स्थापित कर दी जाती है कि लड़का लड़की से बेहतर है. परिवार और समाज का मुखिया पुरुष है और महिलाओं को उसकी व्यवस्थाओं को पालन करना है. यह सही है कि परिस्थितियों में भारी बदलाव आया है, लेकिन अब भी ऐसे परिवारों की संख्या कम है, जिनमें बेटे और बेटी के बीच भेदभाव न किया जाता हो. बाद में ये बातें सार्वजनिक जीवन में प्रकट होने लगती हैं. दरअसल, समाज में महिलाओं के काम का सही मूल्यांकन नहीं किया जाता है. उनकी दक्षता की अक्सर अनदेखी कर दी जाती है. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का मानना है कि अगर भारत के आर्थिक विकास में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के बराबर हो जाए, तो भारत की जीडीपी में भारी वृद्धि हो सकती है. भारत सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, देश के कुल श्रम बल में महिलाओं की हिस्सेदारी 25.5 फीसदी है और कुल कामकाजी महिलाओं में से लगभग 63 फीसदी खेती बाड़ी के काम में लगी हैं. 2011 के जनसंख्या के आंकड़ों के अनुसार, जब कैरियर बनाने का समय आता है, तब अधिकांश लड़कियों की शादी हो जाती है. भारत में महिलाओं की नौकरियां छोड़ने की दर बहुत अधिक है. यह पाया गया है कि एक बार किसी महिला ने नौकरी छोड़ी, तो ज्यादातर दोबारा नौकरी में नहीं लौटती हैं. यदि महिलाओं की अर्थव्यवस्था में भागीदारी बढ़ा दी जाए, तो न केवल सामाजिक, बल्कि अर्थव्यवस्था में भी भारी बदलाव लाया जा सकता है.

क्या मुगल काल भारत की गुलामी का दौर था ?

जब जेम्स स्टुअर्ट मिल ने भारतीय इतिहास को हिन्दू काल, मुस्लिम काल और ब्रिटिश काल में विभाजित किया, उसी समय उन्होंने अंग्रेजों को श्फूट डालो और राज करोश् की उनकी नीति को लागू करने का मजबूत हथियार दे दिया था। परंतु इसके साथ ही उन्होंने भविष्य में साम्प्रदायिक राजनीति करने वालों को भी लोगों को बांटने की एक रणनीति दे दी थी। आगे चलकर मुस्लिम साम्प्रदायिक तत्वों ने यह दावा करना प्रारंभ कर दिया कि भारत पर उनका राज था। इसी तरह, साम्प्रदायिक हिन्दुओं ने भी यह कहना प्रारंभ कर दिया कि मुसलमान तो विदेशी हैं और भारत तो अनंतकाल से हिन्दुओं का देश रहा है। भारतीयों के मानस में यह सोच कितने गहरे तक घुस चुकी है इसका सबूत है उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यह घोषणा कि आगरा में बनने वाले मुगल संग्रहालय का नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय रखा जाएगा। उनका तर्क है कि यदि संग्रहालय का नाम मुगल संग्रहालय होगा तो यह हमारी गुलामी का प्रतीक होगा। मुगल संग्रहालय की नींव उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रखी थी। यह संग्रहालय आगरा में ताजमहल के पास बन रहा है जिसमें उस समय की संस्कृति और मुगल राजाओं के हथियारों का प्रदर्शन होगा। उत्तरप्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देना इस संग्रहालय के निर्माण का मुख्य लक्ष्य था। हिन्दू सम्प्रदायवादियों द्वारा ताजमहल के महत्व को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। पी.एन. ओक नामक एक सज्जन इसे तेजोमहालय (शिव मंदिर) बताते हैं जिसे बाद में शाहजहां ने मकबरा बना दिया। फ्रांसीसी जौहरी टेवर्नेअर ने अपने यात्रा संस्मरणों में लिखा है कि शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में ताजमहल बनाया था। इसी तरह, शाहजहां के दरबार की बहियों में ताजमहल पर हुए खर्च का विस्तृत विवरण दिया गया है। यह भी बताया गया है कि जिस जमीन पर ताजमहल बनाया गया है उसका मुआवजा राजा जयसिंह को देकर उसे खरीदा गया था। जब योगी ने उत्तरप्रदेश की सत्ता संभाली तब उन्होंने ताजमहल को उत्तरप्रदेश के महत्वपूर्ण स्थलों की सूची से हटा दिया था। योगी के हालिया कथन कि मुगलों को याद करना हमारी गुलामी की प्रवृत्ति का प्रतीक है, उस साम्प्रदायिक विचारधारा के अनुरूप है जो मानती है कि इस्लाम एक विदेशी धर्म है और मुसलमान विदेशी हैं। दरअसल भारतीय इतिहास को देखने के तीन नजरिये हैं। पहला, गांधी-नेहरू नजरिया, जिसके अनुसार भारतवर्ष समृद्ध विविधता वाला मुल्क है और जिन मुस्लिम राजाओं ने भारत पर शासन किया वे भारत को अपना मानते थे। बहुसंख्यक मुस्लिम राजाओं ने भारत की बहुवादी धार्मिक परंपरा का सम्मान किया। महात्मा गांधी ने कहा था कि, मुस्लिम राजाओं के शासन में हिन्दू और हिन्दुओं के शासनकाल में मुसलमान फले-फूले। दोनों ने यह महसूस किया कि परस्पर वैमनस्य आत्मघाती है और दोनों को यह पता था कि तलवार की नोंक पर दूसरे को उसका धर्म त्यागने के लिए बाध्य करना संभव नहीं होगा। दोनों ने शांतिपूर्वक रहने का निर्णय किया। अंग्रेजों के आने के बाद झगड़े प्रारंभ हो गए। इसी तरह, जवाहरलाल नेहरू ने अपनी किताब भारत एक खोज में हिन्दुओं और मुसलमानों के परस्पर सामंजस्य को श्गंगा-जमुनी तहजीबश् बताया है। जिसका अत्यधिक प्रभावी प्रस्तुतिकरण श्याम बेनेगल के टीवी धारवाहिक भारत एक खोज में देखने को मिलता है।

क्या वह युग जिसमें भारतवर्ष के अनेक हिस्सों पर मुस्लिम राजाओं ने शासन किया (जिनमें न सिर्फ मुगल वरन अन्य अनेक राजवंश, जिनमें गुलाम, खिलजी, गजनवी और दक्षिण में बहमनी शामिल थे) उसे गुलामी का काल कहा जाए? इसमें कोई संदेह नहीं कि महमूद गजनवी, मोहम्मद गौरी, चंगेज खान आदि कई राजा भारत को लूटकर वापिस चले गए वहीं ऐसे अन्य कई राजा थे जिन्होंने यहां शासन किया और यहीं के हो कर रह गए। निरूसंदेह उन्होंने भारत का शोषण किया परन्तु यह तो अधिकांश राजा करते हैं।

परंतु इस युग को गुलामी का युग नहीं कहा जा सकता। असली गुलामी का काल तो अंग्रेजों के आने के बाद प्रारंभ हुआ जिन्होंने अपने शासन के दौरान लूटपाट की और किसानों का जम कर खून चूसा। शशि थरूर ने अपनी पुस्तक श्एन इरा ऑफ डार्कनेसश् में बताया है कि जब अंग्रेज भारत आए थे उस समय भारत की जीडीपी, विश्व की जीडीपी का 23 प्रतिशत थी और जब वे भारत छोड़कर गए जब यह मात्र 3 प्रतिशत रह गई थी। ब्रिटिश राज का एक सकारात्मक पहलू भी है। अंग्रेजों के आने के पूर्व भारत के सामाजिक ढांचे में कोई परिवर्तन नहीं हुआ था परंतु ब्रिटिश शासन के दौरान लोकतांत्रिक समाज और आधुनिक देश के निर्माण की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण पहलें हुई जिनमें रेलवे, संचार सुविधाएं, आधुनिक शिक्षा, न्याय प्रणाली एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थापना शामिल था। साम्प्रदायिक हिन्दू और मुस्लिम, अंग्रेजों की व्याख्या को आगे बढ़ाते हुए देश के इतिहास को हिन्दुओं के मुसलमानों के बीच टकराव का इतिहास बताते हैं। दोनों अपने को इस धरती का मालिक और दूसरे के अत्याचारों का शिकार बताते हैं। दोनों अंग्रेजों द्वारा की गई लूटपाट को पूरी तरह से नजरअंदाज करते हैं। दूसरी ओर, अम्बेडकर भारतीय इतिहास को बुद्ध धर्म द्वारा स्थापित सामाजिक बराबरी और ब्राह्मणवाद के बीच संघर्ष का इतिहास बताते हैं। सभी हिन्दू राजा महान नहीं थे और सभी मुस्लिम राजा क्रूर खलनायक नहीं थे। अकबर और दारा शिकोह बहुवाद के पैरोकार थे जिन्होंने सभी धर्मों की अच्छी बातों को स्वीकार किया और शिवाजी उन राजाओं में थे जिन्होंने गरीबों पर थोपे गए करों को कम किया। इस तरह आजाद भारत के असली हीरो वे हैं जिन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान दिया। इसकी तीन प्रमुख धाराएं हैं- पहले हैं गांधीजी, जिन्होंने देश को अंग्रेजों के साम्राज्यवाद के खिलाफ संघर्ष के माध्यम से एक सूत्र में पिरोया। दूसरे हैं अम्बेडकर जिन्होंने सामाजिक समानता और लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए संघर्ष किया। तीसरी धारा के प्रतिनिधि हैं भगत सिंह, जिन्होंने अंग्रेजी राज के विरूद्ध संघर्ष करते हुए गरीबों की दुर्दशा के प्रति जागरूकता फैलाई। सच पूछा जाए तो इन तीनों मूल्यों से ही आधुनिक भारत को प्रेरणा लेनी चाहिए ना कि राजशाही के मूल्यों से, जो बुनियादी रूप से सामाजिक असमानता और किसानों के शोषण पर आधारित था। हमें विविधता और समानता के सिद्धांतों को ही भविष्य के भारत के निर्माण का आधार बनाना चाहिए। सच पूछा जाए तो मुगल संग्रहालय हमारे बीते हुए दिनों के सांस्कृतिक स्वरूप को दिखाने का प्रयास है ना कि गुलामी का प्रतीक। दुर्भाग्य से हम ऐसे समय में रह रहे हैं जब भारतीय संस्कृति को संपन्न बनाने में मुसलमानों के योगदान के सभी प्रतीकों को उखाड़ फेंकने का प्रयास हो रहा है। इसी इरादे से इलाहबाद, फैजाबाद और मुगलसराय के नामों को बदला गया है।

सार समाचार ....

राजस्थान ने 226 रन बनाकर IPL का सबसे बड़ा टारगेट चेज किया

आईपीएल के 13वें सीजन के 9वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने लीग का सबसे बड़ा टारगेट चेज किया। पंजाब के 224 रन के टारगेट का पीछा करते हुए राजस्थान ने 226 रन बनाकर 4 विकेट से मैच जीत लिया। जीत के हीरो राहुल तेवतिया (53) रहे। राजस्थान को जीत के लिए 18 बॉल पर 51 रन चाहिए थे। तभी उन्होंने शेल्डन कॉटरेल के एक ओवर में 5 छक्के लगाकर मैच पलट दिया। इससे पहले राजस्थान ने ही 2008 में डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ 215 रन का टारगेट चेज करते हुए 217 रन बनाए थे।

तेवतिया ने पहली 19 बॉल पर 8 रन बनाए, उसके बाद 12 पर 45 बनाए

राहुल तेवतिया की शुरुआत बहुत ही धीमी रही। शुरुआती 19 बॉल पर उन्होंने सिर्फ 8 रन ही बनाए थे। इसके बाद तेवतिया ने धमाकेदार पारी खेलते हुए अगली 12 बॉल पर 45 रन जड़े। इसमें 7 छक्के भी शामिल हैं।

पारी के आखिरी 5 ओवर में सबसे ज्यादा 86 रन बने

आईपीएल इतिहास में पहली बार एक पारी के आखिरी 5 ओवर में 86 रन बने हैं। राजस्थान ने 37 बॉल पर यह रन बनाए। इससे पहले 2012 में चेन्नई सुपर किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 77 रन बनाए थे।

सैमसन-स्मिथ ने की शानदार बल्लेबाजी

राजस्थान की टीम ने 19.3 ओवर में 6 विकेट पर 226 रन बनाए। राजस्थान की शुरुआत खराब रही थी। जोस बटलर 4 रन बनाकर शेल्डन कॉटरेल का शिकार बने। इसके बाद कप्तान स्टीव स्मिथ और संजू सैमसन ने पारी को आगे बढ़ाया। स्मिथ ने 27 बॉल पर 50 रन बनाए। इसके बाद संजू सैमसन ने 42 बॉल पर 85 रन की पारी खेली। सैमसन ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। सैमसन को मैन ऑफ द मैच भी चुना गया। राजस्थान की पारी में कुल 18 छक्के लगे। पंजाब की ओर से मोहम्मद शमी को 3 विकेट जबकि अश्विन, नीशम और कॉटरेल को 1-1 विकेट मिला।

200+ का स्कोर बनाकर दूसरी बार हारा पंजाब

पंजाब आईपीएल में दूसरी बार 200 से ज्यादा का स्कोर बनाकर हार गया। हालांकि, 200+ का स्कोर बनाने के बाद सबसे ज्यादा मैच हारने का रिकॉर्ड बेंगलुरू के नाम है। उसने 3 मैच हारे हैं।

आईपीएल में सैमसन के 100 छक्के पूरे

राजस्थान के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने आईपीएल में 100 छक्के पूरे किए। ऐसा करने वाले वे 19वें खिलाड़ी हैं। भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो इस मामले में वे 11वें नंबर पर आते हैं। सबसे ज्यादा छक्के मारने का रिकॉर्ड क्रिस गेल (326) के नाम है।

पंजाब ने सीजन का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया

पंजाब ने 20 ओवर में 2 विकेट खोकर 223 रन बनाए। मयंक अग्रवाल ने 45 बॉल पर शानदार शतक जड़ा। पंजाब की ओर से लगातार दूसरे मैच में शतक लगा। पंजाब की ओर से 2014 में भी लगातार दो मैच में शतक लगे थे। पंजाब दो बार ऐसा करने वाली पहली टीम बनी।

मयंक (106) ने कप्तान लोकेश राहुल (69) के साथ 183 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप भी की। बतौर ओपनिंग यह तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। सबसे बड़ी 185 रन की साझेदारी बेयरस्टो- वॉर्नर के नाम है। इसके अलावा निकोलस पूरन ने 25 और ग्लेन मैक्सवेल ने 13 रन बनाए। पंजाब की पारी में कुल 11 छक्के लगे। राजस्थान की ओर से अंकित राजपूत और टॉम करन को 1-1 विकेट मिला।

युसुफ के बाद मयंक सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय

सबसे तेज शतक लगाने के मामले में मयंक दूसरे भारतीय बन गए हैं। यह रिकॉर्ड युसुफ पठान के नाम है, जिन्होंने 2010 में मुंबई के खिलाफ 37 बॉल पर शतक लगाया था। ओवरऑल में क्रिस गेल टॉप पर हैं, जिन्होंने 2013 में पुणे के खिलाफ 30 बॉल पर शतक लगाई थी।

सीजन का पहला शतक भी पंजाब से ही लगा था

आईपीएल के इस सीजन का पहला शतक भी पंजाब के ही बल्लेबाज ने लगाया था। राहुल ने बेंगलुरु के खिलाफ 132 रन की पारी खेली थी। यह लीग में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। इससे पहले ऋषभ पंत ने 128 रन की नाबाद पारी खेली थी। इस मामले में क्रिस गेल 175 के स्कोर के साथ टॉप पर काबिज हैं।

आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप

ओपनर राहुल और मयंक के बीच आईपीएल में तीसरी सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप है। इससे पहले 2019 में हैदराबाद के कप्तान डेविड वॉर्नर और जॉनी बेयरस्टो ने बेंगलुरु के खिलाफ 185 रन की सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप की थी। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर केकेआर के गौतम गंभीर और क्रिस लिन हैं। उन्होंने 2017 में गुजरात के खिलाफ 184 रन की साझेदारी की थी।

यूएई में आईपीएल का सबसे बड़ा स्कोर, यहां 5वीं बार 200+ का स्कोर बना

यूएई में पंजाब ने आईपीएल का सबसे बड़ा और 5वीं बार 200+ का स्कोर बनाया है। इससे पहले इसी सीजन में राजस्थान रॉयल्स ने इसी मैदान पर 216 रन बनाए थे। इसके जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स 200 रन बना सकी थी। वहीं, 2014 में अबु धाबी में चेन्नई ने 205 रन बनाए थे। इसके बाद पंजाब ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.5 ओवर में 206 रन बनाते हुए मैच जीत लिया था। 2014 में लोकसभा चुनाव के कारण आईपीएल के शुरुआती 20 मैच खेले गए थे।

सीजन में पहली बार रोहित और विराट आमने-सामने

बेंगलुरु पिछले 10 मैचों में 2 बार ही मुंबई को हरा पाए

बेंगलुरु के खिलाफ मुंबई का पलड़ा हमेशा भारी रहा है। दोनों के बीच हुए पिछले 10 मैचों में कोहली सिर्फ 2 बार ही मुंबई को हरा पाए हैं।दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में अपनी टीम को जीत दिलाने का दारोमदार गेंदबाजों पर होगा। इस सीजन में अब तक यहां 4 मैच खेले गए हैं। चारों मैचों में यहां कोई भी टीम चेज नहीं कर पाई है।

दुबई एजेंसी।

आईपीएल के 13वें संस्करण का 10वां मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और मुंबई इंडियंस के बीच आज दुबई में खेला जाएगा। इस सीजन में पहली बार टीम इंडिया के सुपरस्टार प्लेयर विराट कोहली और रोहित शर्मा आमने-सामने होंगे। बेंगलुरु के खिलाफ मुंबई का पलड़ा हमेशा भारी रहा है। दोनों के बीच हुए पिछले 10 मैचों में कोहली सिर्फ 2 बार ही मुंबई को हरा पाए हैं।दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में अपनी टीम को जीत दिलाने का दारोमदार गेंदबाजों पर होगा। इस सीजन में अब तक यहां 4 मैच खेले गए हैं। चारों मैचों में यहां कोई भी टीम चेज नहीं कर पाई है। दिल्ली-पंजाब के बीच खेला गया मुकाबला जरूर सुपर ओवर तक गया था, लेकिन इस मैच में भी पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम दिल्ली ही जीती थी।

रोहित आईपीएल में 5000 रन बनाने से 10 रन दूर हैं। वे 190 मैचों में 31.78 की औसत से 4990 रन बना चुके हैं। अब तक केवल दो बल्लेबाज ही आईपीएल में 5000 से ज्यादा रन बना सके हैं। कोहली ने 178 मैचों में 37.68 की औसत से 5426 रन बनाए हैं। रैना के 193 मैचों में 33.34 की औसत से 5368 रन हैं।

सीजन में दोनों टीमों ने एक मैच जीता, एक हारा

सीजन में मुंबई और बेंगलुरु का यह तीसरा मैच है। इससे पहले दोनों टीमों ने 2 मैचों में एक मैच जीता और एक हारा है। मुंबई को सीजन के पहले मैच में चेन्नई ने हराया था। वहीं, बेंगलुरु को पंजाब के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

दोनों टीम के महंगे खिलाड़ी

मुंबई में कप्तान रोहित शर्मा सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। टीम उन्हें एक सीजन का 15 करोड़ रुपए देगी। उनके बाद टीम में हार्दिक पंड्या का नंबर आता है, उन्हें सीजन के 11 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं आरसीबी में कप्तान कोहली सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। टीम उन्हें एक सीजन के 17 करोड़ रुपए देगी। उनके बाद टीम में एबी डिविलियर्स का नाम है, जिन्हें इस सीजन में 11 करोड़ रुपए मिलेंगे।

मुंबई ने सबसे ज्यादा 4 बार खिताब जीता

आईपीएल इतिहास में मुंबई ने सबसे ज्यादा 4 बार (2019, 2017, 2015, 2013) खिताब जीता है। पिछली बार उसने फाइनल में चेन्नई को 1 रन से हराया था। मुंबई ने अब तक 5 बार फाइनल खेला है। वहीं, बेंगलुरु ने अब तक 3 बार फाइनल (2009, 2011, 16) खेला और तीनों बार खिताब नहीं जीत सकी।

हेड-टु-हेड

आईपीएल में मुंबई और बेंगलुरु के बीच मुंबई टीम का ही पलड़ा भारी रहा है। दोनों के बीच अब तक 27 मुकाबले खेले गए। मुंबई ने 18 और बेंगलुरु ने 9 मैच जीते हैं। पिछले सीजन में बेंगलुरु एक बार भी मुंबई को नहीं हरा पाई थी।

पिच और मौसम रिपोर्ट

दुबई में मैच के दौरान आसमान साफ रहेगा। तापमान 27 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। इस आईपीएल से पहले यहां हुए पिछले 61 टी-20 में पहले बल्लेबाजी वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 55.74त्न रहा है। इस मैदान पर हुए कुल टी-20= 61 पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती= 34 पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती= 26 पहली पारी में टीम का औसत स्कोर= 144 दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर= 122

मुंबई का आईपीएल में सक्सेस रेट बेंगलुरु से ज्यादा

मुंबई इंडियंस ने लीग में अब तक 189 मैच खेले, जिसमें 110 जीते और 79 हारे हैं। वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अब तक 183 में से 85 मैच जीते और 94 हारे हैं। 4 मुकाबले बेनतीजा रहे हैं। मुंबई का सक्सेस रेट 58.20त्न और बेंगलुरु का 46.44त्न रहा।

सकारात्मक रहकर मजबूती से वापसी करेंगे राहुल

शारजाह, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में मिली हार के बाद किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा है कि टीम सकारात्मक रहकर अगले मुकाबले में वापसी करेगी। पंजाब ने मयंक अग्रवाल के 106 रन तथा राहुल के 69 रनों की ताबड़तोड़ पारी की बदौलत 20 ओवर में 223 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था लेकिन राजस्थान ने संजू सैमसन 85 और अंत में राहुल तेवतिया के सात छक्कों से सजी 53 रनों की तूफानी पारी की बदौलत 226 रन बनाकर मैच जीत लिया था।

रोमांचक मुकाबले में मिली हार पर राहुल ने कहा, यही टी-20 क्रिकेट है और हमने वर्षों से ऐसा होता देखा है लेकिन मैच में टीम ने कई सही चीजें भी की। हम सकारात्मक रहकर मजबूती से वापसी करेंगे। इस मुकाबले में कई सकारात्मक बातें हुई है लेकिन कई बार ऐसा हो जाता है और यही क्रिकेट का खेल है। इसका पूरा श्रेय हमें राजस्थान की टीम को देना होगा। ईमानदारी से कहूं तो मैंने सोचा था कि यह मैच हमारे पाले में है। उन्होंने कहा, अंत में राजस्थान ने काफी शानदारी बल्लेबाजी और हमारे गेंदबाजों पर दबाव बनाया जिन्होंने कुछ गलितयां की। लेकिन मैं गेंदबाजों के साथ हूं उन्होंने पिछले दो मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन किया था और यह महज एक खराब खेल रहा। यह अच्छा है कि ऐसी बात टूर्नामेंट के शुरुआत में ही हुई है खिलाड़ी इससे सीख लेंगे और मजबूती से वापसी करेंगे। छोटे मैदान में स्कोर मायने नहीं रखता है। सैमसन और तेवतिया ने शानदार बल्लेबाजी की। वह सेट हुए और बेहतरीन तरीके से खेल को अंजाम तक पहुंचाया। वह इस जीत के काबिल हैं।

सैमसन और तेवतिया के छक्कों की बरसात से जीता राजस्थान

शारजाह, एजेंसी। विकेटकीपर संजू सैमसन (85) और राहुल तेवतिया (53) के छक्कों की बरसात से राजस्थान रॉयल्स ने विशाल लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए किंग्स इलेवन पंजाब पर रविवार को तीन गेंद शेष रहते चार विकेट से जीत दर्ज की और आईपीएल में नया रिकॉर्ड बना दिया। पंजाब ने सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (106) के पहले आईपीएल शतक और उनकी कप्तान लोकेश राहुल (69) के साथ उनकी पहले विकेट के लिए 183 रन की बड़ी साझेदारी की मदद से 20 ओवर में दो विकेट पर 223 रन का विशाल स्कोर बनाया लेकिन राजस्थान ने 19.3 ओवर में छह विकेट पर 226 रन बनाकर रोमांचक जीत हासिल कर ली। राजस्थान ने आईपीएल इतिहास में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत हासिल की।

सैमसन और तेवतिया ने सात-सात छक्के उड़ाकर पंजाब के हाथों से जीत छीन ली। तेवतिया ने 18वें ओवर में तेज गेंदबाज शेल्डन कॉट्रेल की गेंदों पर पांच छक्के उड़ाकर मैच का पलड़ा राजस्थान की तरफ झुका दिया।

पूरन की फील्डिंग को लेकर वीरू ने लिखा- ग्रेविटी नाम की भी कोई चीज होती है

दुबई , एजेंसी। आईपीएल-13 के 9वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने किंग्स इलेवन पंजाब को 4 विकेट से हरा दिया। कल के मैच में कई रिकॉर्ड बने और टूटे। राजस्थान ने पंजाब के खिलाफ 223 रन को चेस कर लिया, आईपीएल के इतिहास में यह सबसे बड़ा चेस था और आईपीएल 2020 का सबसे हाई स्कोरिंग मैच था। इस मैच में बहुत शानदार फिल्डिंग भी देखने को मिली। पंजाब के लिए खेलने वाले वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरन की फील्डिंग को लेकर सोशल मीडिया पर काफी प्रतिक्रियाएं दी जा रही हैं। कल के मैच में पंजाब के फील्डिंग कोच और दुनिया के सबसे शानदार फील्डर्स में शुमार, जॉन्टी रूट्स भी पूरन की फील्डिंग से इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने सर झुका कर पूरन का अभिवादन किया। पूरन की शानदार फील्डिंग को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर ने भी ट्वीट किया है।

छक्के को दो रन में बदल दिया

आठवें ओवर का तीसरा गेंद था, पंजाब के एम. आश्विन बॉलिंग कर रहे थे। 13 गेंद पर 24 रन बनाकर राजस्थान के संजू सैमसन स्ट्राइक पर थे। आश्विन ने एक लेंथ बॉल डाली, सैमसन ने उसे 'डाउन द ग्राउंड' सामने की तरफ खेला, लॉन्ग ऑन पर फील्डिंग कर रहे पूरन ने उड़ते हुए बाउंड्री के लगभग चार फीट अंदर जाकर बड़े सफाई से गेंद को मैदान के अंदर फेंक दिया। पूरन की इस फील्डिंग से बल्लेबाज संजू सैमसन भी हैरान थे, उन्हें उस शॉट के लिए सिर्फ दो ही रन मिले जो उन्होंने दौड़ कर पूरा किया था। पंजाब के फील्डिंग कोच जॉन्टी रूट्स ने पहले तो खड़े होकर तालियां बजाई उसके बाद झुककर पूरन का अभिवादन किया। भारतीय टीम के पूर्व ओपनर सहवाग और सचिन ने भी ट्वीट कर पूरन की तारीफ की। जिसपर फैंस ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। सहवाग ने अपने ही अंदाज में लिखा, ग्रेविटी नाम की भी कोई चीज होती है भुला दी, ऐसा कैसे! ग्रेविटी को हरा दिया, शानदार सेव पूरन। सचिन ने लिखा, मेरे जीवन में अबतक मैंने जितनी फील्डिंग देखी है, उनमें से यह सबसे शानदार फील्डिंग। सचिन के ट्वीट पर रीट्वीट करते हुए जॉन्टी रूट्स ने लिखा, अगर क्रिकेट के भगवान ऐसा कह रहे हैं तो कोई शक नहीं कि यह अबतक की सबसे शानदार फील्डिंग है।

ऑस्ट्रेलिया की विकेटकीपर एलिसा हिली ने टी-20 क्रिकेट में धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई | एजेंसी।

ऑस्ट्रेलिया की विकेटकीपर एलिसा हिली ने टी-20 मैच धोनी के रिकॉर्ड तोड़ दिया। हीली ने विकेट के पीछे 92 खिलाड़ियों को शिकार बनाया है। जिसमें 42 कैच और 50 स्टंपिंग शामिल है। अब वह पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों में विकेट के पीछे सबसे ज्यादा शिकार बनाने वाली विकेटकीपर बन गई हैं। हिली ने यह उपलब्धि दूसरे टी-20 मैच में न्यूजीलैंड की बल्लेबाज एलन बॉर्डर को स्टंप कर हासिल किया। तीन टी-20 मैच की सीरीज को ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से जीत लिया है। हीली के अब 114 टी-20 मैचों में 92 शिकार हो गए हैं। जबकि धोनी ने 98 मैच में 91 खिलाड़ियों को विकेट के पीछे शिकार बनाया है। जिसमें 57 कैच और 34 स्टंपिंग शामिल है। धोनी के बाद इंग्लैंड की सारा टेलर है, जिनके नाम 90 मैचों में 74 शिकार हैं। जिनमें 23 कैच और 51 स्टम्पिंग शामिल है। राचेल प्रीस्ट ने 72 शिकार किए हैं। मेरिसा अगुइलिया के नाम 70 शिकार हैं। उनके बाद दिनेश रामदीन हैं जिनके नाम 63 शिकार हैं। रामदीन के बाद मुश्फीकुर रहीम हैं रहीम के हिस्से 61 शिकार हैं।

हीली ने कहा- इसमें कोई दो राय नहीं कि यह बड़ी उपलब्धि है। लेकिन, इसमें मुझसे ज्यादा मेरी टीम के बॉलर्स का योगदान है। इससे साबित होता है कि मुझे अपने करियर में कितने अच्छे गेंदबाज का साथ मिला। मैं यह भी सोचती हूं कि मैंने कितने मौके गंवाए भी होंगे। आप विकेटकीपर के तौर पर बहुत सारे रिकॉर्ड बनाते हैं, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया जाता है। मैं ग्राउंड से बाहर निकलने के बाद हमेशा इस बात को लेकर संतुष्ट रहती हूं कि आज का दिन मैदान में विकेट के पीछे अच्छा रहा।

रन चेज करते हुए आखिरी 5 ओवर में रिकॉर्ड 86 रन बने

दुबई | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन में अब तक हुए 9 मैच में 14 बड़े रिकॉर्ड बन चुके हैं। इनमें से 5 रिकॉर्ड तो अकेले 9वें मैच में ही बन गए। इस मैच में राजस्थान रॉयल्स ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ रन चेज करते हुए आईपीएल में पहली बार आखिरी 5 ओवर में सबसे ज्यादा 86 रन बनाए। वहीं, सीजन के ओपनिंग मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मुंबई इंडियंस को शिकस्त दी थी। इसी के साथ कप्तान महेंद्र सिंह धोनी एक टीम को 100 मैच जिताने वाले अकेले कैप्टन बन गए। हालांकि, एक मामले में राजस्थान रॉयल्स के संजू सैमसन ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है।

दरअसल, सैमसन एक मैच में 70 से ज्यादा रन बनाने और बतौर 4 खिलाड़ियों को आउट करने वाले लीग के पहले विकेटकीपर बन गए हैं। उन्होंने इस सीजन में चेन्नई के खिलाफ ही ऐसा किया। विकेटकीपर धोनी अब तक ऐसा नहीं कर सके हैं। इनके अलावा इस सीजन में बने 13 रिकॉर्ड कुछ इस तरह हैं...

आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा टारगेट चेज हुआ

13वें सीजन के 9वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ आईपीएल का सबसे बड़ा 224 रन का टारगेट चेज करते हुए 226 रन बनाकर 4 विकेट से मैच जीत लिया। इससे पहले राजस्थान ने ही 2008 में डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ 215 रन का टारगेट चेज करते हुए 217 रन बनाए थे।

पारी के आखिरी 5 ओवर में सबसे ज्यादा 86 रन बने

आईपीएल इतिहास में पहली बार रन चेज करते हुए आखिरी 5 ओवर में 86 रन बने हैं। राजस्थान ने पंजाब के खिलाफ शारजाह में खेले गए मैच में यह रन बनाए। इससे पहले 2012 में चेन्नई सुपर किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 77 रन बनाए थे।

पंजाब और राजस्थान के बीच 9वें मैच में यह 3 रिकॉर्ड्स बने

किंग्स इलेवन पंजाब की ओर से लगातार दूसरे मैच में शतक लगा। 2014 में भी टीम के बल्लेबाजों ने लगातार दो मैच में शतक लगाए थे। पंजाब दो बार ऐसा करने वाली पहली टीम बनी।

पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल और मयंक अग्रवाल ने पहले विकेट के लिए 183 रन की पार्टनरशिप की। बतौर ओपनिंग यह तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। सबसे बड़ी 185 रन की साझेदारी हैदराबाद के कप्तान डेविड वॉर्नर और जॉनी बेयरस्टो ने 2019 सीजन में बेंगलुरु के खिलाफ की थी।

राजस्थान के खिलाफ पंजाब की ओर से 13वां शतक लगा। एक टीम की ओर से सबसे ज्यादा शतक के मामले में टीम ने बेंगलुरु की बराबरी कर ली है। उनके खिलाड़ियों ने भी 13 शतक लगाए हैं।

एक ही मैच में रिकॉर्ड 33 छक्के लगे

इस सीजन के चौथे मुकाबले में छक्कों की बौछार देखने को मिली। इस मैच में राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपरकिंग्स को 16 रन से शिकस्त दी। मुकाबले में रिकॉर्ड 33 छक्के लगे। आईपीएल में ऐसा दूसरी बार हुआ है। इससे पहले 2018 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई के मैच में सबसे ज्यादा 33 सिक्स लगे थे।

आईपीएल में रोहित के 200 छक्के

मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा आईपीएल में 200 छक्के लगाने वाले दूसरे और ओवरऑल चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। क्रिस गेल 326 सिक्स के साथ टॉप पर हैं।

पीयूष चावला सबसे ज्यादा 176 छक्के खाने वाले गेंदबाज बने

चेन्नई के लेग स्पिनर पीयूष चावला के नाम आईपीएल में एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हुआ। हाल ही में चावला के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों ने 6 छक्के लगाए। इसी के साथ लीग में सबसे ज्यादा छक्के 176 लगने का रिकॉर्ड चावला के नाम हो गया है।

रोहित किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

रोहित शर्मा आईपीएल में किसी भी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा 904 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इसके लिए रोहित ने 26 मैच खेले हैं। रोहित ने बुधवार को अबु धाबी में केकेआर के खिलाफ 80 रन बनाते हुए यह उपलब्धि हासिल की। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के डेविड वॉर्नर ने केकेआर के खिलाफ 829 और तीसरे पर आरसीबी के विराट कोहली ने दिल्ली के खिलाफ 825 रन बनाए हैं।

मनीष मल्होत्रा के नए कलेक्शन के लिए दुल्हन बनीं जाह्नवी कपूर

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर बॉलीवुड के फैशनिस्टों में से एक हैं। युवा अभिनेत्री हमेशाा अपनी हर स्टाइल से अपने दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहती हैं। जाह्नवी कपूर हाल ही में बॉलीवुड के फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के लिए दुल्हन बनी हैं। जाह्नवी कपूर और फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने एक मैगजीन के लिए फोटोशूट कराया है। जाह्नवी कपूर का ब्राइडल लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। तस्वीर में जाह्नवी कपूर खूबसूरत लग रही हैं। अभिनेत्री जाह्नवी कपूर बॉलीवुड के फेमस फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के ब्राइडल कलेक्शन का हिस्सा बनी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया तस्वीरें शेयर की है। जाह्नवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कर लिखा-क्या आपको शहनाई की आवाज सुनाई दे रही है या सिर्फ मुझे ही। मनीष मल्होत्रा के नए कलेक्शन का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। जाह्नवी कपूर ने मिंट ग्रीन और गोल्डन रंग का लहंगा पहना है और साथ में नेट के दुपट्टे से घूंघट किया है। जाह्नवी कपूर दुलहन के लिबास में बहुत खूबसूरत दिखाई दे रही हैं। इन दिनों वह अपने पिता बोनी कपूर और बहन खुशी के साथ घर पर चलिटी टाइम बिता रही है। जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। प्रोड्यूसर बोनी कपूर और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर ने साल 2018 में धड़क से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो जाह्नवी कपूर फिल्म गुंजन सक्सेना- द कारगिल गर्ल में नजर आई थी। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर 12 अगस्त को रिलीज हुई थी। फिल्म में जाह्नवी कपूर एयरफोर्स पायलट की भूमिका में थी। जाह्नवी कपूर जल्द ही कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं, जिसमें फिल्म रूही अफजाना, दोस्ताना 2' और तख्त शामिल हैं। जाह्नवी कपूर रूही अफजाना में राजकुमार राव के साथ दिखाई देंगी। हॉरर-कॉमेडी से भरपूर इस फिल्म में जाह्नवी दोहरी भूमिका निभाती नजर आएंगी। वहीं दोस्ताना 2' में कार्तिक आर्यन और नवोदित अभिनेता लक्ष्य के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। इसके अलावा वह करण जौहर की आगामी पीरियड फिल्म तख्त का भी हिस्सा हैं।

ब्रिटेन में बेल बॉटम की शूटिंग के बीच गुरुद्वारा माथा टेकते नजर आए भगनानी

जैकी भगनानी इस समय अक्षय कुमार अभिनीत अपने आगामी प्रॉजेक्ट बेल बॉटम की शूटिंग के लिए ब्रिटेन में हैं। शॉट्स के बीच, निर्माता ने कुछ समय निकाला और गुरुद्वारा पहुंच कर सर्वशक्तिमान का आशीर्वाद लिया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा की, जिसमें वह जैकी गुरुद्वारा में अपने हाथ जोड़ कर प्रार्थना करते हुए नजर आ रहे हैं। जैकी भगनानी अपने क्रू के साथ शूटिंग शुरू करने और विदेश का रुख करने वाले चुनिंदा निर्माताओं में से एक हैं। निर्माता ने व्यक्तिगत रूप से भी सभी की सुरक्षा पर ध्यान दिया है और यह सुनिश्चित किया है कि न्यू नार्मल के सभी दिशानिर्देशों का पालन किया जाए। जैकी दिन-रात काम में व्यस्त हैं और अब, सभी की निगाहें उनके आगामी परियोजनाओं की घोषणा पर टिकी है। साथ ही, उनके लेबल जेजस्ट म्यूजिक से कृष्ण महामंत्र और लव सॉन्ग, लव यू ते दूजा सॉरी के बाद अब नए रिलीज का इंतजार है।

अभिनेत्री शालिनी पांडे को पेट पालने का पैशन

फिल्म जयेशभाई जोरदार से बॉलीवुड में कदम रखने वाली अभिनेत्री शालिनी पांडे को एक नया साथी मिल गया है, वो कोई और नहीं एक डॉगी है। शालिनी ने कहा, मैं हमेशा से एक पेट पालना चाहती थी, यहां तक की जब मैं छोटी थी, तब मेरे दादा के घर 3 डॉग हुआ करते थे। मैं हमेशा से अपना साथी चाहती थी, मैं जानवरों से जुड़ा हुआ महसूस करती हूं। मेरे पप्स का नाम एजे है और वह 3 महीने की है। उसे घर लाते वक्त मैं बहुत अमेजिंग महसूस कर रही थी। अर्जुन रेड्डी अभिनेत्री ने अपने पेट का नाम एजे रखने के पीछे की वजह को साझा किया उन्होंने कहा, द चेन नामक सीरीज है, जिसे कुछ समय पहले मैंने देखा था। मुझे यह बहुत पसंद आया। सीरीज में एक छोटी लड़की है जिसका नाम एजे है, उसका पूरा नाम एम्बर जैस्मीन था, लेकिन मैंने दोनों के पहले अक्षर का उपयोग करके इसे एजे कर दिया।

शिक्षा जलवायु को लेकर जागरूकता बढ़ाने का बेहतर माध्यम भूमि

अभिनेत्री और पर्यावरणवादी भूमि पेडनेकर को लगता है कि शिक्षा जलवायु संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण चैनल है। भूमि ने कहा, हम जो बदलाव देख रहे हैं वे वास्तविक हैं और इसमें कोई शक नहीं है कि यह हमारी सभ्यता के लिए बड़ा खतरा हैं। इस साल हमने ऑस्ट्रेलियाई बुशफायर को 18 मिलियन हेक्टेयर जमीन जलाते देखा है। इसमें एक अरब जानवर मारे गए और देश में कई लुप्तप्राय प्रजातियों विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गईं। उन्होंने आगे कहा, रूस के आर्कटिक क्षेत्र में तेल रिसाव हुआ, उत्तराखंड के जंगल में 51 हेक्टेयर भूमि जली। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में चक्रवात अम्फन का सामना किया। इससे पश्चिम बंगाल में 86 मौतें हुईं। कैलिफोर्निया के जंगल की आग में 31,54,107 एकड़ जमीन जल गई। भूमि ने कहा, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव नजर आ रहे हैं। ये और भी भयानक हो जाएंगे यदि हम इसे रोकने के लिए काम नहीं करेंगे। हम सभी को इसके लिए साथ आने की जरूरत है ताकि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए समद्धि छोड़ सकें। इस लक्ष्य को पाने के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण चैनल है। बता दें कि अभिनेत्री वैश्विक स्तर पर की गई एक पहल क्लाइमेट एक्शन प्रोजेक्ट के साथ काम कर रही हैं, जिसकी पहुंच 107 देशों में 1 करोड़ छात्रों तक है।

तीन दशक में काम से लंबा ब्रेक नहीं लिया : सलमान

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान का कहना है कि उन्होंने पिछले 30 वर्षों में काम से इतना लंबा ब्रेक नहीं लिया है। सलमान को फिल्म इंडस्ट्री में आये हुये तीन दशक हो गये हैं। सलमान का कहना है कि उन्होंने अपने अबतक के करियर में इतना लंबा ब्रेक नहीं लिया है, जितना कि उन्हें कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लागू किए गए लॉकडाउन के दौरान लेना पड़ा। सलमान जल्द ही बिग बॉस के आगामी सीजन को होस्ट करने वाले हैं। सलमान ने कहा, पिछले छह महीने में काम नहीं करना मेरे लिए सबसे अधिक तनावपूर्ण रहा है। मैंने पिछले 30 वर्षों में भी इतनी छुट्टियां नहीं मनाई। हालांकि, मुझे जबरन यह छुट्टियां लेनी पड़ीं। साल के अंत में छुट्टी मनाने का निर्णय लिया था, लेकिन अब बिग बॉस कार्यक्रम को लेकर उनकी प्रतिबद्धता के चलते उन्हें इन तय छुट्टियों में कटौती करनी पड़ेगी।

प्राची देसाई के बचाव में उतरे अभिषेक बच्चन

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन ने अभिनेत्री प्राची देसाई की कड़ी मेहनत के लिए उनकी प्रशंसा की है, जिसपर अभिनेत्री ने उनका आभार व्यक्त किया। कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर अभिषेक बच्चन को ट्विटर पर प्राची देसाई से ज्यादा फॉलोअर को लेकर उन्हें ट्रोल किया गया था। एक यूजर ने लिखा था, आउटसाइडर बनाम नेपोटिज्म। यहां प्राची देसाई के 13 लाख फॉलोअर हैं, वहीं अभिषेक बच्चन के 1 करोड़ 53 लाख फॉलोअर हैं और आप लोग बॉलीवुड से कुछ अच्छे की उम्मीद रखते हो। मेरे मतलब कैसे। बॉलीवुड में कड़ी मेहनत और सही हुनर के समर्थन का बुरा दौर है। इसपर अभिषेक बच्चन ने अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त करते हुए लिखा, मिस्टर सिंघल मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके सोशल मीडिया पर जितने भी फॉलोअर हैं, वे लोकप्रियता के आधार पर नहीं हैं। मेरी दोस्त प्राची देसाई एक बहुत ही प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं। उनको सोशल मीडिया पर समर्थन की कोई जरूरत नहीं है। उसका काम बोलता है। अभिषेक का रिएक्शन देखकर अभिनेत्री ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, अभिषेक बच्चन आपके शब्दों के लिए धन्यवाद।

बॉलीवुड का एक सुंदर पक्ष भी है अदिति राव हैदरी

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी को लगता है कि बॉलीवुड का एक सुंदर पक्ष भी है। वह कहती हैं कि यह एक समावेशी जगह है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की 14 जून को हुई रहस्यमयी मौत के बाद से बॉलीवुड में इनसाइडर्स - आउटसाइडर्स (इण्डस्ट्री के स्थापित लोग और बाहर से आए लोग) और भाई-भतीजावाद को लेकर गरमागरम बहस छिड़ी हुई है। इस मुद्दे को लेकर बॉलीवुड और सोशल मीडिया पर फैली विषाक्तता के बीच अदिति खुद को कैसे सकारात्मक रख रही हैं, इस पर अदिति ने कहा, मुझे विश्वास है कि एक दिन यह सुलझ जाएगा। कोई भी उद्योग दोष रहित नहीं है। हम भी इंसान हैं, हम भी गलतियां करते हैं, हम में भी कमियां हैं लेकिन निश्चित रूप से हमारी इण्डस्ट्री का एक सुंदर पक्ष भी है। अदिति ने आगे कहा, हम सभी एक साथ हैं, हम वफादार हैं, हम एक साथ खड़े हैं। लोग चाहे कुछ भी कहें हम एक साथ खड़े हैं। वह कहती है कि भले ही उन्हें बाहरी माना जाता है, लेकिन उन्हें ऐसा कहलाना पसंद नहीं है। अदिति ने कहा, लोग आउटसाइडर-इनसाइडर की बात करते हैं। लेकिन मैं कह सकती हूं कि यदि मुझे कोई भी समस्या होती है तो ऐसे बहुत सारे लोग हैं जिन्हें मैं फोन कर सकती हूं। भले ही मुझे बाहरी व्यक्ति माना जाता है, फिर भी वे मेरी मदद करेंगे। लेकिन मैं खुद को बाहरी व्यक्ति मानना पसंद नहीं करती। मुझे लगता है कि इण्डस्ट्री एक समावेशी स्थान है। उन्होंने आगे कहा, हां, इण्डस्ट्री में किसी परिवार से संबंधित न होने के कारण हममें से कुछ लोगों के लिए कुछ समय चुनौतीपूर्ण हो सकता है लेकिन ऐसा केवल इसी इण्डस्ट्री में तो नहीं है।

सोशल मीडिया को विषैली और अस्थिर जगह मानती है जैकलीन

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस सोशल मीडिया को विषैली और अस्थिर जगह मानती है। जैकलीन ने कहा, मैं अपने प्रशंसकों के साथ शांति से बातचीत करने और संवाद करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करती हूं, जो मैंने आज भी जारी रखा हैं। लेकिन मैं इन साइटों पर खर्च होने वाले समय को कम कर रही हूं। वर्तमान परिवेश में, यह एक बहुत ही विषैली और अस्थिर जगह है। मैं विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता पर मजबूत विश्वास रखती हूं लेकिन ऐसे कई व्यक्ति हैं जो इस मंच का दुरुपयोग कर रहे हैं। जैकलीन ने कहा, मैंने अपना ध्यान अन्य एप्लिकेशन्स की ओर कर लिया है। मैं पॉडकास्ट सुनती हूं। इंस्टाग्राम और ट्विटर के मध्यम से अन्य लोगों के जीवन को नियमित अनुसरण करने के बजाय, मुझे रचनात्मक ज्ञान प्रदान करने वाले अनुप्रयोगों पर अपना समय बिताना अधिक अर्थपूर्ण लगता है।

हैप्पी बर्थ 91 वर्ष की हुईं लता मंगेशकर

अपनी जादुई आवाज के जरिए पचास हजार से भी ज्यादा गीत गाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज करा चुकी संगीत की देवी लता मंगेशकर आज 91 वर्ष की हो गईं। 28 सिंतबर 1929 को इंदौर में जन्मी लता मंगेशकर मूल नाम (हेमा हरिदकर) के पिता दीनानाथ मंगेशकर मराठी रंगमंच से जुड़े हुए थे। पांच वर्ष की उम्र में लता ने अपने पिता के साथ नाटकों में अभिनय करना शुरू कर दिया। इसके साथ ही लता संगीत की शिक्षा अपने पिता से लेने लगी। लता ने वर्ष 1942 में फिल्म किटी हसाल के लिए अपना पहला गाना गाया लेकिन उनके पिता को लता का फिल्मों के लिये गाना पसंद नहीं आया और उन्होंने उस फिल्म से लता के गाये गीत को हटवा दिया।

वर्ष 1942 में 13 वर्ष की छोटी उम्र में ही लता के सिर से पिता का साया में उठ गया और परिवार की जिम्मेदारी उनके ऊपर आ गई। इसके बाद उनका पूरा परिवार पुणे से मुंबई आ गया। लता को फिल्मों में अभिनय करना जरा भी पसंद नहीं था बावजूद इसके परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी को उठाते हुये उन्होंने फिल्मो में अभिनय करना शुरू कर दिया।

वर्ष 1942 मे लता को ..पहली मंगलगौर ..में अभिनय करने का मौका मिला। वर्ष 1945 में लता की मुलाकात संगीतकार गुलाम हैदर से हुई गुलाम हैदर लता के गाने के अंदाज से काफी प्रभावित हुये। गुलाम हैदर ने फिल्म निर्माता एस. मुखर्जी से यह गुजारिश की कि वह लता को अपनी फिल्म शहीद में गाने का मौका दे। एस. मुखर्जी को लता की आवाज पसंद नहीं आई और उन्होंने लता को अपनी फिल्म में लेने से मना कर दिया। इस बात को लेकर गुलाम हैदर काफी गुस्सा हुए और उन्होंने कहा कि यह लड़की आगे इतना अधिक नाम करेगी कि बड़े-बड़े निर्माता-निर्देशक उसे अपनी फिल्मों में गाने के लिए गुजारिश करेंगे।

वर्ष 1949 में फिल्म महल के गाने ..आएगा आने वाला ..गाने के बाद लता बालीवुड में अपनी पहचान बनाने में सफल हो गई। इसके बाद राजकपूर की ..बरसात .. के गाने ..जिया बेकरार है, हवा में उड़ता जाए जैसे गीत गाने के बाद लता बालीवुड में एक सफल पाश्र्वगायिका के रूप में स्थापित हो गई। सी.रामचंद्र के संगीत निर्देशन में लता ने प्रदीप के लिखे गीत पर एक कार्यक्रम के दौरान एक गैर फिल्मी गीत ..ए मेरे वतन के लोगों ..गाया। इस गीत को सुनकर तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू इतने प्रभावित हुए कि उनकी आंखों में आंसू आ गए। लता के गाए इस गीत से आज भी लोगों की आंखें नम हो उठती है ।

लता की आवाज से नौशाद का संगीत सज उठता था । संगीतकार नौशाद लता के आवाज के इस कदर दीवाने थे कि उन्होंने अपनी हर फिल्म में लता को ही लिया करते थे। वर्ष 1960 में प्रदर्शित फिल्म मुगले आजम के गीत मोहे पनघट पे गीत की रिकार्डिंग के दौरान नौशाद ने लता से कहा था जमैंने यह गीत केवल तुम्हारे लिए ही बनाया है इस गीत को कोई और नहीं गा सकता है। हिंदी सिनेमा के शो मैन कहे जाने वाले राजकपूर को सदा अपनी फिल्मों के लिए लता की आवाज की जरूरत रहा करती थी। राजकपूर लता के आवाज के इस कद्र प्रभावित थे कि उन्होंने लता मंगेश्कर को ..सरस्वती.. का दर्जा तक दे रखा था। साठ के दशक में लता पाश्र्वगायिकाओं की महारानी कही जाने लगी।

वर्ष 1969 मे लक्ष्मीकांत प्यारे लाल के संगीत निर्देशन ने लता मंगेश्कर ने फिल्म इंतकाम का गाना ..आ जानें जा ..गाकर यह साबित कर दिया कि वह आशा भोंसले की तरह पाश्चात्य धुन पर भी गा सकती हैं। नब्बे के दशक तक आते-आते लता कुछ चुनिंदा फिल्मों के लिए ही गाने लगी। वर्ष 1990 में अपने बैनर की फिल्म लेकिन के लिए लता ने ..यारा सिली सिली ..गाना गाया । हालांकि यह फिल्म चली नहीं लेकिन आज भी यह गाना लता के बेहतरीन गानों में से एक माना जाता है ।

लता को उनके सिने करियर में चार बार फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। लता मंगेशकर को उनके गाए गीत के लिए वर्ष 1972 में फिल्म परिचय वर्ष 1975 में कोरा कागज और वर्ष 1990 में फिल्म, लेकिन के लिये नेशनल अवार्ड से सम्मानित की गई। इसके अलावे लता मंगेश्कर को वर्ष 1969 में पदमभूषण, वर्ष 1989 में दादा साहब फाल्के सम्मान, वर्ष 1999 में पदमविभूषण, वर्ष 2001 में भारत रत्न जैसे कई सम्मान प्राप्त हो चुके है।

दिल्ली में रहते हुए गौरी खान के घर मन्नत का किचन संभालती हैं उनकी मां

गौरी खान थीं. गौरी खान एक जानी-मानी इंटीरियर डिजाइनर हैं. वह कई सेलेब्स के घर और ऑफिस का इंटीरियर डिजाइन कर चुकी हैं. उनसे खास बातचीत कि जिसमें उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए. गौरी खान से जब सवाल किया गया कि आपको कब पता चला कि शाहरुख खान सुपरस्टार बन गए हैं, जवाब में उन्होंने कहा, सच कहूं तो मुझे उनकी फिल्म रिलीज होने के बाद, उनके द्वारा ब्लॉकबस्टर फिल्म दिए जाने के बाद भी अहसास नहीं हुआ. मुझे काफी वक्त लगा ये समझने में कि शाहरुख सफलता का मुकाम पा चुके हैं. ये उनका संघर्ष था.गौरी खान ने बताया कि शाहरुख खान ने लॉकडाउन के दौरान खाना बनाया और हम सब उनके बनाए हुए खाने को बहुत एनजॉय करते थे. कोरोना वायरस महामारी को लेकर गौरी खान ने कहा कि यह समय हम सभी के लिए काफी मुश्किल भरा है. आगे वह बताती हैं कि इस कठिन समय में किस तरह से उनके तीनों बच्चों ने खुद को बिजी रखा है. गौरी खान ने सुहाना के बारे में बताते हुए कहा कि उसके ऑनलाइन क्लास शुरु हैं तो वह इन दिनों काफी बिजी हैं. आर्यन का अभी स्कूल खत्म हुआ है तो वह अभी वीडियो गेम, फिल्म देखकर खुद को बिजी रखता है और अबराम ने अभी ही स्कूल शुरु किया है तो वह भी उसी में बिजी हैं. गौरी ने बच्चे के बाद अपनी मां को लेकर खास बात बताई है. गौरी खान ने बताया कि उनकी मां दिल्ली में रहते हुए उनके घर यानी मन्नत का किचन संभालती हैं. मन्नत का किचन 24/7 खुला रहता है.

कंचन उजाला हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।